



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 138]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 23, 2017 ज्येष्ठ 2, 1939

No. 138]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 23, 2017/ JYAISTHA 2, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मई, 2017

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ओ-एसिड के आयातों पर पाटन-रोधी जांच।

फा. सं. 14/31/2016-डीजीएडी.—समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. यतः मेसर्स आरती ड्रग्स लिमिटेड (जिसे आगे "आवेदक" अथवा "घरेलू उद्योग" कहा गया है) ने समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 संशोधित (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटन-रोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "ओ-एसिड" (जिसे आगे संबद्ध वस्तुएं भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जांच की शुरुआत करने और पाटन-रोधी शुल्क लगाने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया है।

2. और यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साध्य के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 21 सितंबर, 2016 की अधिसूचना संख्या 14/31/2016-डीजीएडी द्वारा अधिसूचना जारी की, जिसमें पाटन-रोधी नियमावली के उप नियम 5 के अनुसार पाटन-रोधी जाँच की शुरुआत की गई ताकि चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटन-रोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

ख. प्रक्रिया

3. संबद्ध जाँच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है: —

- (1) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्रवाई करने से पहले भारत में संबद्ध दूतावास का पाटन-रोधी आवेदन-पत्र प्राप्त होने के बारे में अधिसूचित किया है।
- (2) प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जाँच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में दिनांक 21 सितंबर, 2016 को प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की है।
- (3) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार भारत में चीन के दूतावास को जांच शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित कर दिया था कि वह चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों/आयातकों को यह सलाह दें कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत कर दें।
- (4) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/आयातकों से संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए निर्यातक की प्रश्नावलियां भेजी थीं: —

क्रमांक	उत्पादकों/निर्यातकों के नाम
1.	अपीलोआ कांगयू बिजनेस ऑफिस
2.	झेझियांग जिआंगक्सी फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
3.	झेझियांग ईस्ट फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
4.	योंगनिंग फार्मा
5.	जिआंगसू गुओटाई इन्टेल ग्रुप हुआटाई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
6.	झेझियांग मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
7.	मेसर्ज झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट
8.	मेसर्ज चाईना सिनोफार्म इंटरनेशनल कापोरेशन

(5) उपरोक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित निर्यातकों/आयातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर अथवा प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए हैं:—

क्रमांक	उत्पादकों/निर्यातकों के नाम
1.	झेझियांग हेंगडियान अपीलोआ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
2.	जिआंगक्सी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
3.	जिआंगक्सी डाडी फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
4.	झेझियांग क्विंगयांग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
5.	चाईना सिनोफार्म इंटरनेशनल कापोरेशन
6.	यानचेंग किसनानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड

7.	शंघाई चांगयू केमिकल टेक्नालॉजी कंपनी लिमिटेड
8.	इनर मंगोलिया युआनहोंग फाईन केमिकल कंपनी लिमिटेड
9.	ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक
10.	झेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड केमिकल टेक्नालॉजी कंपनी लिमिटेड
11.	झेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड
12.	झेझियांग मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
13.	झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड

- (6) बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी) की प्रश्नावली चीन जनवादी गणराज्य में ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और भारत में चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को इस अनुरोध के साथ भेजी गई थी कि वे प्राधिकारी को संबद्ध सूचना निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रदान कर दें। किसी भी प्रतिवादी निर्यातक ने एमईटी का दावा नहीं किया है।
- (7) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक की प्रश्नावलियां भेजी थीं। तथापि, संबद्ध वस्तुओं के किसी भी आयातक से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

क्रमांक	आयातकों/उपभोक्ताओं के नाम
1.	मेसर्ज सिपला लिमिटेड
2.	मेसर्ज मेक्लिओड्स फार्मास्युटिकल लिमिटेड
3.	मेसर्ज जे. बी. केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल लिमिटेड
4.	मेसर्ज अरिस्टो फार्मास्युटिकल प्राईवेट लिमिटेड
5.	मेसर्ज सन फार्मास्युटिकल इंड. लिमिटेड
6.	मेसर्ज मेडी फार्मा ड्रग हाऊस
7.	मेसर्ज एफडीसी लिमिटेड
8.	मेसर्ज मेडले फार्मास्युटिकल लिमिटेड
9.	मेसर्ज केडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
10.	मेसर्ज मेरेक (इंडिया) लिमिटेड
11.	मेसर्ज अल्केम लेबोरोटरीज लिमिटेड

- (8) दि चाईना चेम्बर ऑफ कामर्स फॉर इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स एसोसिएशन ने प्रश्नावली के विस्तृत उत्तरों के बिना निवेदन किए हैं। इन पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को वर्तमान निर्धारण करते समय ध्यान में रखा गया है।
- (9) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय वृत्तान्त को सार्वजनिक फाईल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों की जांच के प्रयोजनार्थ खुला उपलब्ध कराया गया है।
- (10) इसके अतिरिक्त जितना आवश्यक समझा गया है, आवेदक और हितबद्ध पक्षकारों से अतिरिक्त सूचना मंगाई गई है। इस जांच के प्रयोजनार्थ जितना आवश्यक समझा गया है, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों का सत्यापन किया गया है।
- (11) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी

- संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का अगोपनीय वृत्तान्त भी प्रस्तुत करें और नियमावली के अनुसार प्राधिकारी द्वारा उसे सार्वजनिक फाईल में रखा गया था।
- (12) सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और उन्हें निर्मित करने और बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत का आकलन किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यदि पाटन-रोधी शुल्क, पाटन मार्जिन से कम लगाया जाता है, तो क्या वह घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
 - (13) आवेदक ने अपना प्रयोगिक उत्पादन जून, 2015 में शुरू कर दिया था और अक्टूबर, 2015 से पूरे पैमाने पर उत्पादन शुरू कर दिया था। जुलाई, 2015 से जून, 2016 (जांच अवधि) तक की अवधि के लिए जांच की गई थी। क्षति का विश्लेषण अलग-अलग महीने के आधार पर किया गया था।
 - (14) वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था कि वह जांच अवधि सहित विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के व्यौरे प्रदान करने की व्यवस्था करें। वर्तमान जांच में प्राधिकारी डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आंकड़ों पर विश्वास किया है।
 - (15) इस प्रारंभिक जांच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों का निदान किया गया है।
 - (16) इस जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा *** सूचना को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उस पर उसी प्रकार से विचार किया गया है।
 - (17) संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई औसत विनिमय दर, 1 अमरीकी डालर = 66.84 रूपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ख.1. घरेलू उद्योग के विचार

4. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं: —

- (1) विचाराधीन उत्पाद ओ-एसिड अथवा ओफ्लोक्सेसिन एसिड है। यह ओफ्लोक्सेसिन विनिर्मित करने का एक मध्यवर्ती रसायन है, जो कि फ्लोरोक्वीनोलोन औषध के सिंथेटिक केमोथिरेपियोटिक एंटीबायोटिक है, जिसे दूसरी-संतति की फ्लोरोक्वीनोलोन श्रेणी माना जाता है। ओफ्लोक्सेसिन रेसेमिक मिश्रण होता है जिसमें 50% लेवोफ्लोक्सेसिन (जो कि बायोलोजिकली सक्रिय संघटक है) तथा इसका 50% "मिरर इमेज" अथवा इनेंटीओमर डेक्स्ट्रा फ्लोक्सेसिन शामिल होता है।
- (2) विचाराधीन उत्पाद के आयात के आंकड़ों से पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद का व्यापार वाणिज्यिक रूप से अनेक विभिन्न नामों से किया जाता है, जैसे कि ओ-एसिड, ओफ्लोक्सेसिन एसिड (ओफ्लोक्सेसिन एसिड 98% मिन), 9, 10-डिलफ्सयूरो-2,3-डिहाईड्रो-3-मिथिल-7-ओक्सो-7एच पाईरीडो {1,2,3-डि}-1, 4-बेनेजोक्साजीन-6-कार्बोक्लिक एसिड (ओफ्लोक्सेसिन एसिड)ओफ्लोक्सेसिन क्यू एसिड 9, 10-डिफ्लूरो-2, 3 - डिहाईड्रो-3-मिथिल-7-ओक्सो-7एच- पाईरीडो {1,2,3-डि}-1-4-बेनिजोक्साजीन-6- कार्बोक्लिक एसिड (ओफ्लोक्सेसिन क्यू एसिड), ओफ्लोक्सेसिन एसिड, ओफ्लोक्सेनेसिड, क्यू एसिड ऑफ ओफ्लोक्सेसिन आदि। चूंकि ये विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न संभावित नाम हैं, विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में ये सभी नाम शामिल हैं।
- (3) ओफ्लोक्सेसिन एसिड का उपयोग ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन करने के लिए किया जाता है। यह ओफ्लोक्सेसिन एसिड का एकल उपयोग है। ओफ्लोक्सेसिन व्यापक ब्रांड नामों और समान जेनरिक औषधियों के रूप में बेचा जाता है, जो कि खाने और लगाने दोनों के लिए होती है। ओफ्लोक्सेसिन टोपीकल के अन्तःशिरा उपयोग के लिए इसे आंख और कान में ड्रॉप डालने के लिए भी प्रयुक्त किया जाता है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन की अनिवार्य औषधियों की मांडल सूची में शामिल है, जो कि मूल स्वास्थ्य प्रणाली में अत्यंत महत्वपूर्ण औषधी मानी जाती है।

ग. 2. हितबद्ध पक्षकारों के विचार

5. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है।

ग. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

6. विचाराधीन उत्पाद ओ-एसिड अथवा ओफ्लोक्सेसिन एसिड है। यह हल्के सफेद से सफेद रंग का पदार्थ होता है जो सफेद क्रिस्टलिन पाउडर होता है और इसका उपयोग ओफ्लोक्सेसिन विनिर्मित करने के लिए एक मध्यवर्ती पदार्थ के रूप में किया जाता है, जो कि फ्लोरोक्वीनोलोन औषध के सिंथेटिक केमोथिरेपियोटिक एंटीबायोटिक है, जिसे दूसरी-संतति की फ्लोरोक्वीनोलोन श्रेणी माना जाता है। ओफ्लोक्सेसिन रेसेमिक मिश्रण होता है जिसमें 50% लेवोफ्लोक्सेसिन (जो कि बायोलोजिकली सक्रिय संघटक है) तथा इसका 50% "मिरर इमेज" अथवा इनेंटीओमर डेक्स्ट्रा फ्लोक्सेसिन शामिल होता है।

7. ओ-एसिड का उपयोग ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन करने में किया जाता है, जिसका उपयोग कुछ संक्रमणों के उपचार के लिए किया जाता है, जिनमें श्वसनी शोथ, निमोनिया और चर्म संक्रमण, मूत्राशय, मूत्रीय क्षेत्रों, प्रजननकारी अंगों और ग्रन्थि शामिल हैं।

8. विचाराधीन उत्पाद को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 में वर्गीकृत किया गया है। विचाराधीन उत्पाद का आयात, विभिन्न अन्य एचएस संहिताओं नामतः 29419030, 29152990, 29163990, 29183090, 29189900, 29349900, 29411090, 294119090 और 29420090 के अंतर्गत किया जाता है। सीमा शुल्क का ऐसा वर्गीकरण सांकेतिक है और यह वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

9. रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद, संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं के समान वस्तु है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुएं भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय है। नियमावली के अनुसार उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित वस्तुएं, समान वस्तुएं हैं। ये दोनों वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इस प्रकार प्राधिकारी का यह मानना है कि पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुएं और संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग का कार्य-क्षेत्र और आधार

घ. 1. घरेलू उद्योग के विचार

10. घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र और आधार के बारे में किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं: —

- (1) आवेदक विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है और उसने उसके उत्पादन की अभी नई सुविधाएं स्थापित की हैं, जिसका भारत में अब तक उत्पादन नहीं होता था।
- (2) आवेदक कुछ समय से ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन कर रहा है जिसके लिए आवेदक चीन से ओफ्लोक्सेसिन एसिड का आयात कर रहा था।
- (3) याचिकादाता विगत में इस कारण से विचाराधीन उत्पाद के आयात कर रहा था कि भारत में विचाराधीन उत्पाद का कोई उत्पादन नहीं होता था। याचिकादाता ने विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए अत्यधिक निवेश किया है और उसने उसका वाणिज्यिक उत्पादन करना भी शुरू कर दिया था। तथापि, याचिकादाता ने जैसे ही वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू किया, वैसे ही चीन के उत्पादकों ने गहन पाटन करना शुरू कर दिया था।
- (4) विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में कच्चे माल की लागत (अनुकूलतम खपत कारकों पर), चीन के उत्पादक द्वारा पेश की जा रही कीमत से बहुत अधिक थी। इस प्रकार यह ऐसा स्पष्ट मामला है, जिसमें चीन के उत्पादकों ने अत्यधिक आक्रमणशील कीमतों की पेशकश की है और ऐसे स्तर से नीचे हैं जो कि कच्चे माल में निहित लागतों द्वारा समर्थित है। इसलिए याचिकादाता को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के बाद विचाराधीन उत्पाद की कुछ मात्रा में आयात करने के लिए विवश होना पड़ा था।

- (5) आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया था। आवेदक संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के किसी भी आयातक अथवा निर्यातक से संबंधित नहीं है। किसी भी स्थिति में ऐसा कोई संबंध नहीं है जिससे नियम 2 (ख) के अंतर्गत बहिष्करण की संभावना उत्पन्न होती हो।
- (6) उन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिनमें आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद के आयात किए थे, प्राधिकारी को आवेदक को नियमावली की परिभाषा के भीतर पात्र घरेलू उद्योग माना जाना चाहिए।
- (7) भारत में विचाराधीन उत्पाद का कोई अन्य ज्ञात उत्पादक नहीं है। आवेदक भारत में विचाराधीन उत्पाद का नया उत्पादक है, जिसका भारत में उत्पादन का कोई विगत इतिहास नहीं है। याचिका नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के आधार को पूरा करती है। इसके अतिरिक्त आवेदक पाटन-रोधी नियमावली की परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनता है।

घ. 2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

11. घरेलू उद्योग के आधार और कार्य-क्षेत्र के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:—
- (1) यह जांच आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन-पत्र के आधार पर शुरू की गई है, जिसने अक्टूबर, 2015 में ओ-एसिड का विनिर्माण करना शुरू किया था और यह स्पष्ट नहीं है कि क्या उत्पादन प्रायोगिक क्रम है अथवा वाणिज्यिक उत्पादन है।
- (2) आवेदक ने स्वीकार किया है कि उसका निवेश केप्टिव खपत और घरेलू बिक्रियों के लिए है और इसलिए वह ओ-एसिड के आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा है।
- (3) आस्ट्रेलिया और चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "लो एश मेटेल्लरजिकल कोक" के आयातों की पाटन-रोधी जांच के अंतिम जांच परिणाम की दिनांक 20 अक्टूबर, 2016 के की अधिसूचना संख्या 14/09/2015-डीजीएडी के अंतर्गत केप्टिव उत्पादकों को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है।
- (4) वर्तमान जांच, विधि की दृष्टि से निकृष्ट है क्योंकि याचिकादाता स्वतंत्र रूप से यह स्वीकार करता है कि वह चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं का एक आयातक है। नियम 2 (ख) के अनुसार ऐसे उत्पादकों को जो कि आयातक भी हैं, घरेलू उद्योग के अधिकार-क्षेत्र से बाहर रखा जा सकता है। याचिकादाता संबद्ध वस्तुओं का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने से पहले और बाद में भी संबद्ध वस्तुओं का आयात कर रहा है। चूंकि याचिकादाता ने जांच अवधि के दौरान उत्पादन के आंकड़ों के संबंध में गोपनीयता के साथ-साथ याचिकादाता के चीन जनवादी गणराज्य से आयात करने का दावा भी किया है, इसलिए प्रतिवादियों के लिए इस संबंध में टिप्पणी करना संभव नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकादाता ने कथित पाटित वस्तुओं की खरीद और बिक्री करके कथित पाटन के किसी दुष्प्रभाव से स्वयं को बचा रखा है। इस प्रकार वर्तमान याचिका को अस्वीकृत करने के पर्याप्त आधार हैं।

घ. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

12. पाटन रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:—

"(ख) 'घरेलू उद्योग' का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में 'घरेलू उद्योग' पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।"

13. आवेदन-पत्र मेसर्स आरती ड्रग्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा विचाराधीन उत्पाद के एक घरेलू उत्पादक होने के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह अविवादित है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद का कोई अन्य ज्ञात उत्पादक नहीं है और आवेदक भारत में विचाराधीन उत्पाद का एक नया उत्पादक है। आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए नया निवेश किया है। विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग द्वारा सृजित क्षमता की तुलना ओफ्लोक्सेसिन के उत्पादन के लिए आवेदक की केप्टिव आवश्यकता के साथ की गई है। यह नोट किया जाता है कि आवेदक ने ***मी.टन की क्षमता स्थापित की है और उत्पाद की उसकी निजी आवश्यकता लगभग ***मी.टन है। इसके अतिरिक्त ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन लगभग ***मी.टन होने को

ध्यान में रखते हुए देश में उत्पाद की आवश्यकता ***मी.टन होने का अनुमान लगाया गया है। इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि आवेदक ने अपनी निजी आवश्यकता से अधिक ओफ्लोक्सेसिन एसिड की उत्पादन क्षमताएं स्थापित की हैं।

14. आवेदक ने निवेदन किया है कि वह ओफ्लोक्सेसिन के उत्पादन में खपत करने के लिए ओ-एसिड का उत्पादन शुरू करने से पहले ओ-एसिड के आयात कर रहे थे। ओ-एसिड के अपने निजी उत्पादन को शुरू करने के बाद आवेदक ने ओ-एसिड का आयात करना बंद कर दिया था। तथापि, चीन से निर्यातकों ने ओ-एसिड की कीमतों को इतना अधिक कम कर दिया था कि आवेदक को निचले स्तर के उत्पाद (ओफ्लोक्सेसिन) को जारी रखने के लिए चीन से दुबारा ओ-एसिड का आयात करने के लिए विवश होना पड़ गया, ताकि वह उत्पाद का प्रतिस्पर्द्धी बना रह सके, विशेषकर तब जब कि चीन से पाटित कीमतों पर ओफ्लोक्सेसिन का भी निर्यात किया जा रहा है, जिसके लिए एक पृथक जांच चल रही है।

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अंतर्गत निर्धारित प्रावधान का आशय किसी घरेलू उत्पादक को घरेलू उद्योग के क्षेत्र से मात्र इस कारण से बाहर करना नहीं है कि उसने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात किए हैं। प्राधिकारी ऐसे आयातों के मूल आधार और परिस्थितियों पर विचार करना उपयुक्त समझते हैं और तदनुसार इसकी जांच करते हैं कि क्या पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उत्पादक को घरेलू उद्योग माना जाए अथवा नहीं। ऐसे घरेलू उत्पादक के आशय और ऐसी स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है जिसके अंतर्गत ऐसे आयात किए गए हैं। आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना से ऐसा नोट किया जाता है कि (क) चीन से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की पहुंच कीमत में अत्यधिक गिरावट आई थी, (ख) जबकि नए संयंत्र से कम उत्पादन होने के कारण उत्पादन की वास्तविक लागत, स्वीकार्य रूप से अधिक है, वह भी जबकि अनुकूलतम उत्पादन पर विचार करते हुए ऊपरी व्यय अनुकूलतम हैं, यह देखा गया है कि चीन के उत्पादकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं के लिए पेश की गई पहुंच कीमतें, आवेदक द्वारा संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की ऐसी अनुकूलतम लागत वास्तविक रूप से कम है और (ग) आवेदक उसी बाजार में ओफ्लोक्सेसिन नामक निचले स्तर की वस्तुओं के अन्य घरेलू उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्द्धी कर रहा है, जबकि उसके प्रतिस्पर्द्धी ओफ्लोक्सेसिन एसिड की कम और पाटित कीमतें प्राप्त कर रहे हैं। आवेदक यदि अपने निजी केप्टिव ओफ्लोक्सेसिन एसिड से ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन करता है, तो आवेदक के ओफ्लोक्सेसिन के प्रचालन निश्चित रूप से गैर-अर्थक्षम होते हैं। आवेदक ने ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन करने के लिए नए निवेश किए हैं, जिनसे पता चलता है कि आवेदक का वास्तविक इरादा उत्पादन पर ध्यान संकेन्द्रित करना है और न कि आयातों पर। आवेदक को ओफ्लोक्सेसिन एसिड और ओफ्लोक्सेसिन दोनों के पाटन होने के समय अपनी रक्षा करने के लिए ही उत्पाद का आयात करने पर विवश होना पड़ा था। आवेदक घरेलू उद्योग का संकेन्द्रण आयातों के बजाए अपने उत्पादन पर है और पाटित आयात घरेलू उद्योग को बाजार में पूर्णरूप से स्थापित नहीं होने दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयातों को व्यापारिक बाजार में नहीं बेचा गया है।

16. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि आवेदक ने उत्पादन की क्षमताएं केवल खपत करने के लिए ही स्थापित की हैं और विगत में प्राधिकारी ने यह निर्णय दिया है कि नियम 5 के अंतर्गत घरेलू उत्पादक के आधार का निर्धारण करने के लिए केप्टिव खपत पर विचार करने की आवश्यकता नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि (क) ओफ्लोक्सेसिन एसिड के लिए कंपनी द्वारा सृजित की गई क्षमताएं उसकी निजी आवश्यकताओं से बहुत अधिक हैं, (ख) ऐसी क्षमताएं निश्चित रूप से भारतीय बाजार में उत्पाद की मांग से तुलनीय हैं, (ग) उत्पादन शुरू करने के बाद आवेदक ने ई-मेल संचारणों और केमिकल वीकली में सार्वजनिक विज्ञापन दे कर बिक्री के लिए उत्पाद की निरंतर पेशकश की है, (घ) वर्तमान मामला ऐसा मामला है जिसमें प्राधिकारी इसकी जांच कर रहे हैं कि क्या उत्पाद का पाटन, देश में घरेलू उद्योग की अवस्थापना के लिए सामग्रीगत विलम्बन है या नहीं, (ङ) वर्तमान स्थिति पर विचार करना और उसकी तुलना ऐसी स्थिति से करना उपयुक्त नहीं होगा जिसमें ऐसे अनेक घरेलू उत्पादक हों जो काफी लंबी अवधि से विद्यमान हैं और जो केप्टिव खपत के लिए उत्पादन कर रहे हैं अथवा विशेष रूप से बाजार में उत्पाद को बेच रहे हैं अथवा दोनों प्रचालन कर रहे हैं। इसलिए वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह निर्णय है कि जांच अवधि तक वास्तविक व्यापारिक बिक्रियां नहीं होने के तथ्य से कंपनी को नियम 2 (ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

17. मामले को कानूनी प्रावधानों और तथ्यों की ध्यानपूर्वक जांच करने के बाद प्राधिकारी का यह विचार है कि नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के अनुसार आवेदक एक पात्र घरेलू उद्योग है। आवेदक का उत्पादन, समान वस्तु का समग्र भारतीय उत्पादन बनता है। इसलिए प्राधिकारी का यह निर्णय है कि पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में उल्लिखित

परिभाषा के अनुसार आवेदक एक पात्र घरेलू उद्योग है और आवेदन-पत्र उपरोक्त नियमावली के नियम 5 में उल्लिखित आधार के मानदंड को पूरा करता है।

ड. विविध मुद्दे

प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

18. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:—

- (1) अनुच्छेद 9 ख (1) (ख) (3) के अनुसार "सामग्री विलम्बन" के मामलों में अनन्तिम शुल्क नहीं लगाए जा सकते हैं। ये तभी लागू किए जा सकते हैं जबकि जांच अवधि के दौरान पाटन के कारण क्षति हो रही हो और इसके अतिरिक्त यह भी निर्णय है कि जांच के दौरान क्षति की रोकथाम करने के लिए शुल्क आवश्यक है, अर्थात् क्षति की रोकथाम करने की आवश्यकता, मौजूदा शुल्क के अतिरिक्त है और न कि उसके बदले में।
- (2) आवेदक द्वारा प्रस्तुत किया गया आवेदन-पत्र, प्रकट करने से अधिक छिपाता है। आवेदक ने अधिकतर ऐसी सूचना के आंकड़ों की गोपनीयता का दावा किया है अथवा वह उन्हें देने में विफल रहा है, जो कि जांच के लिए आवश्यक है।
- (3) प्राधिकारी घरेलू उद्योग को सामग्री विलम्बन की जांच करने के लिए पहले कार्य-प्रणाली बनाए बिना और उसका प्रकटन किए बिना जांच को निरंतर जारी नहीं रख सकते हैं। यूएस मानक को शामिल करने से प्राधिकारी पूरी और कारगर जांच करने में सक्षम होंगे। *डीजीएडी के समक्ष विगत मामलों और अन्य न्यायाशास्त्र में स्थापित मानकों के आधार पर घरेलू उद्योग की याचिका, सामग्री विलम्बन मानक पर विचार करने के लिए कोई मामला स्थापित नहीं करती है।*
- (4) याचिका में निहित आंकड़ों मात्र से सामान्य शुरू करने की दशाओं का पता चलता है। प्रचालनात्मक कमियों और शुरू करने की कठिनाईयों के कारण कथित क्षति हुई है और न कि चीन जनवादी गणराज्य से कथित किसी पाटन के कारण।
- (5) याचिकादाता की नवीनतम अवस्थापना है और उसके उत्पादन और आपूर्ति की श्रृंखला पूर्णतया स्पष्ट रूप से स्थापित नहीं हुई है। ऐसी अत्यावश्यक मद के मामले में स्थापित श्रृंखलाओं को अवरोधित करने के फलस्वरूप प्रयोक्ता उद्योग अर्थात् स्वास्थ्य परिचर्या उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जहां तक कि एक मात्र आपूर्तिकर्ता देश से उत्पाद की कीमत में वृद्धि करने से समग्र आपूर्ति बाधित हो सकती है और उससे प्रयोक्ता उद्योग पर और अंततः ऐसे रोगियों पर अनुचित भार पड़ सकता है, जो कि उत्पाद के उपभोक्ता हैं।
- (6) आवेदक स्वतः बाजार में संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति करने में विफल रहा है, जिसका अनुचित भार संबद्ध वस्तुओं के आयातकों पर नहीं पड़ना चाहिए। वास्तव में याचिकादाता संबद्ध वस्तुओं का एक आयातक है। इसके अतिरिक्त कीमत कारक और मात्रा कारक, किसी पाटन-रोधी उपाय को लागू करने के लिए अकेले निर्देश नहीं देते हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

19. विविध निवेदनों का किया गया विश्लेषण निम्नानुसार है:—

- (1) इस तर्क के संबंध में कि सामग्री विलम्बन के मामले में अनन्तिम शुल्क नहीं लगाए जा सकते हैं, यह नोट किया जाता है कि अनन्तिम और पाटन शुल्क लगाने के लिए सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है। धारा 9 ख (1) (ख) (3) के अनुसार "क्षति" में क्षति के सभी तीन रूप शामिल हैं, जैसे कि आर्थिक क्षति, आर्थिक क्षति होने का खतरा और घरेलू उद्योग की अवस्थापना को सामग्री विलम्बन। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की रोकथाम करने के लिए अनन्तिम शुल्क लागू करना आवश्यक है।
- (2) अत्यधिक गोपनीयता बरतने के तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी आवश्यक समझा है, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा उसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, घरेलू उद्योग को निदेश दिया गया है कि वह गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय वृत्तान्त प्रदान करें।
- (3) इस तर्क के संबंध में कि सामग्री विलम्बन की जांच करने के लिए पहले कार्य-प्रणाली बनाए बिना और उसका प्रकटन किए बिना जांच को निरंतर जारी नहीं रखा जा सकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत में सामग्री विलम्बन पर

अनेक मामले हुए हैं। इसके अतिरिक्त जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना में स्पष्ट रूप से यह निर्धारित किया गया है कि जांच, घरेलू उद्योग की अवस्थापना को आर्थिक क्षति होने और सामग्री विलम्बन की जांच करने से संबंधित है और इस प्रकार घरेलू उद्योग के मासिक कार्य-निष्पादन पर विचार किया जाएगा।

- (4) इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और आपूर्ति की स्थिति स्थापित नहीं की गई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मासिक विश्लेषण से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग अपने संयंत्र में अपने उत्पादन और क्षमता को बढ़ा सकता था, लेकिन पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने और उन्हें घरेलू बाजार में बेचने से रोक दिया है। उत्पादन और केप्टिव बिक्रियों में गिरावट आने के परिणाम स्वरूप उसको वित्तीय घाटे हुए हैं।

च. बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

20. धारा 9 (1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:—

(1) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(2) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत और लाभ के लिए उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत।

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

21. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के अंतर्गत उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार हैं:—

"7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के

बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।”

8. (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश" शब्द का अर्थ ऐसा कोई देश है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लागत या कीमत निर्धारण संरचनाओं के बाजार सिद्धांतों पर प्रचालन करते हुए निर्धारित नहीं किया है क्योंकि ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की विक्रियां उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के अनुसार पण्य वस्तुओं का उचित मूल्य प्रदर्शित नहीं करती हैं।

(2) ऐसी एक परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच से पहले तीन वर्ष की अवधि के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा या विश्व व्यापार संगठन के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में निर्धारित किया गया है या माना गया है, को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाएगा,

बशर्ते कि तथापि यह कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश ऐसे देश की संबंधित फर्मों निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस आशय की सूचना और साक्ष्य उपलब्ध कराके ऐसी किसी परिकल्पना का खंडन कर सकते हैं जो यह सिद्ध करती हो कि वह देश उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंडों पर विचार करेंगे कि क्या:-

(क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, विक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े-खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन है;

(ग) इस प्रकार की फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन व्याज की दर पर किया जाता है।

बशर्ते कि फिर भी जहां इस पैरा में विनिश्चित मानदंड के आधार पर लिखित साक्ष्य द्वारा ऐसा दर्शाया गया है कि एक अथवा अधिक ऐसी फर्मों के लिए पाटन-रोधी जांच के अध्यधीन बाजार की दशाएं विद्यमान हैं, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी पैराग्राफ 7 और इस पैराग्राफ में उल्लिखित सिद्धांतों के बजाए पैराग्राफ 1 से 6 में उल्लिखित सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

छ. 1. घरेलू उद्योग के विचार

22. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:—

- (1) चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। उसका कोई भी निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा स्वीकृत करने के लिए अर्हता की किसी भी शर्त को पूरा नहीं करता है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए चीन में उत्पादकों की लागत और कीमत पर विश्वास नहीं किया जा सकता है।
- (2) सामान्य मूल्य का निर्धारण, बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य के आधार पर इस कारणवश नहीं किया जा सकता है कि संबद्ध सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। आवेदक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में उत्पादक से ऐसी सूचना प्राप्त करने में असमर्थ रहा है क्योंकि इस उत्पाद का उत्पादन चीन और भारत में ही होता है। वास्तव में किसी भी अन्य देश से भारत में इस उत्पाद के आयात होने की कोई सूचना भी नहीं है।

- (3) भारत में विधिवत समायोजन करके उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।
- (4) आवेदक ने निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए आईबीआईएस द्वारा प्रदान किए गए कारोबार-वार आंकड़ों पर विश्वास किया है।
- (5) जबकि सामान्य मूल्य कारखाना-गत स्तर पर है, निर्यात कीमत के सीआईएफ मूल्य होने के कारण निर्यात कीमत में समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतरदेशीय भाड़े के व्यय, पत्तन व्यय, बैंक प्रभारों और वैट समायोजन किया गया है।
- (6) संबद्ध देश से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम स्तर से अधिक है, बल्कि यह पर्याप्त भी है।

छ. 2. हितबद्ध पक्षकारों के विचार

23. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) आवेदन-पत्र पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 5.2 और पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 (2) के साक्ष्यों के मानक को पूरा नहीं करता है, चूंकि याचिकादाता ने पाटन का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। वर्ष 2014-15, 2015-16 और जांच अवधि के लिए निर्यात कीमतें उसी स्तर पर बनी हुई हैं। इससे यह स्पष्ट पता चलता है कि कोई "गहन पाटन" नहीं हुआ है।
- (2) याचिका में चीन जनवादी गणराज्य में घरेलू कीमतों से संबंधित सूचना की कमी है। जहां तक कि चीन के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के दर्ज की स्थिति में वहां के निर्यातकों के निरूपण के मामले में भी यह अनिवार्य है कि चीन जनवादी गणराज्य में घरेलू कीमतों की जांच की जाए।
- (3) बिना किसी आधार के सामान्य मूल्य संरचित किया गया है और सामान्य मूल्य की संरचना के बारे में कोई प्रकटन नहीं किया गया है। सामान्य मूल्य की संरचना करने के लिए आवेदन-पत्र में संरचित सामान्य मूल्य के बारे में संबद्ध साक्ष्य निहित होने चाहिए। उसके बजाए मूल्यों से संबंधित अथवा उसके आधार के बारे में कोई ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। याचिकादाता ने किसी खपत मानदंड, परिवर्तन लागत अथवा प्रयोज्यता लागत आदि का कोई उल्लेख नहीं किया है।
- (4) याचिकादाता द्वारा निर्यात कीमत के संबंध में किए गए गैर-कानूनी समायोजन अनुचित हैं और ये असामान्य रूप से बहुत अधिक हैं। आवेदन-पत्र के अगोपनीय वृत्तान्त में कटौतियों, समायोजनों के बारे में कोई उचित आधार अथवा साक्ष्य निहित नहीं है और उनके आधार को गोपनीय नहीं माना जा सकता है। विशेष रूप से याचिकादाता ने उनके लिए गोपनीयता का कोई दावा भी नहीं किया है। याचिका परिकलन के लिए पर्याप्त आधार प्रदान नहीं करती है और यह प्रतिवादियों को उसका पूरा और उचित खंडन करने के अवसर से वंचित करती है।

छ. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

24. जांच शुरू करने के चरण में प्राधिकारी ने इस अवधारणा के साथ आगे की कार्रवाई की थी कि चीन जनवादी गणराज्य एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। जांच शुरू करने पर प्राधिकारी ने चीन में उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह दी थी कि वे जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना का उत्तर दें और उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दर्ज का निर्धारण करने के लिए संबद्ध सूचना प्रस्तुत करें। प्राधिकारी ने एमईटी प्रश्नावली की प्रतियां, नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (3) में निर्धारित मानदंड के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन करने के लिए सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को भेजी थीं। साथ ही प्राधिकारी ने चीन की सरकार से भी अनुरोध किया था कि वह चीन में उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह दें कि वे संबद्ध सूचना प्रदान करें।

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन में उत्पादकों/निर्यातकों और चीन की सरकार को निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना प्रस्तुत करने की आवश्यकता के बारे में पर्याप्त रूप से अधिसूचित कर दिया गया था और उन्हें इस संबंध में अपने प्रस्तुतीकरण के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। वर्तमान जांच में अनेक उत्पादकों/निर्यातकों ने अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं। तथापि, किसी ने भी एमईटी का दावा नहीं किया है। इसके अतिरिक्त किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने नियमावली में यथानिर्धारित कोई अन्य वैकल्पिक आधार भी प्रदान नहीं किया है, जिस पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जा सकता है।

26. उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए और चीन की किसी भी निर्यातक कंपनी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के दावे का खंडन नहीं किए जाने पर प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार आगे कार्रवाई करना उपयुक्त समझते हैं।

27. चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण, बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में घरेलू बिक्री कीमतों अथवा बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में संरचित मूल्य अथवा ऐसे किसी तृतीय देश से भारत सहित किसी अन्य देश को निर्यात कीमतों पर करना आवश्यक होता है। तथापि, यदि इन विकल्पों में से किसी भी विकल्प के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे किसी भी अन्य उचित आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं, जिनमें उचित लाभ मार्जिन सहित विधिवत् समायोजन करते हुए समान उत्पाद के लिए भारत में अदा की गई और देय कीमत शामिल हो।

28. आवेदक ने यह तर्क दिया है कि अनेक देशों में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं किया जाता है। वास्तव में विश्वभर में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन बहुत सीमित होता है। क्षति अवधि में भारत में विचाराधीन उत्पाद के समग्र आयात चीन से हुए थे। बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देशों में उत्पाद की लागत अथवा कीमत के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई सूचना उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार इस उत्पाद की कीमत और लागत के विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में प्राधिकारी ने विधिवत् समायोजन करके भारत में उत्पाद की उत्पादन लागत के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य संरचित किया है। यह नोट किया जाता है कि आवेदक देश में इस उत्पाद का एक नया उत्पादक है और इसलिए कम उत्पादन होने के कारण संबद्ध उत्पाद के उत्पादन की वास्तविक लागत अधिक हो सकती है। तथापि, प्राधिकारी ने उत्पादन की वास्तविक लागत पर विचार नहीं किया है। प्राधिकारी ने आवेदक के उत्पादन की लागत का निर्धारण यह विचार करते हुए किया है कि वह क्षमता के उचित स्तर पर प्रचालन कर रहा है। तदनुसार प्राधिकारी ने उत्पादन की अनुकूलतम लागत को ध्यान में रख कर और बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक लागत के लिए संवर्धन करके तथा ***% पर लाभ प्रदान करके, चीन में सभी निर्यातकों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

चीन में सभी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

29. संबद्ध देश से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और निर्यात कीमत के बारे में विस्तृत सूचना प्रदान की है:-

(1)	जिआंगक्सी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक और निर्यातक)
(2)	यानचेम्ग किसानानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
(3)	जिआंगक्सी डाडी फार्मास्युटिकल लिमिटेड लाईबिलिटी कंपनी (उत्पादक)
(4)	झेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड केमिकल टेक्नालॉजी कंपनी लिमिटेड (उत्पादक और निर्यातक)
(5)	इनर मंगोलिया युआनहोंग फाईन केमिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
(6)	झेझियांग हेंगडियान अपेलोआ एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(7)	झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(8)	झेझियांग क्विंग्यांग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(9)	झेझियांग यूईजी बिजिनस सर्विस कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(10)	ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक (निर्यातक)
(11)	झेझियांग मेडिकल एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(12)	चाईना साईनोफार्म इंटरनेशनल कार्पोरेशन (निर्यातक)
(13)	शंघाई चांगयू केमिकल टेक्नालॉजी कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)

30. पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए इन उत्तरों की नीचे उपयुक्त रूप से जांच की गई है।

जिआंगक्सी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) के साथ व्यापारी मेसर्ज झेझियांग केमिकल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, झेझियांग हेंगडियान अपेलोआ एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड

31. जिआंगक्सी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड (चिबांग) द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि चिबांग संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक होने के साथ-साथ एक निर्यातक भी है। जांच अवधि के दौरान चिबांग ने प्रत्यक्ष रूप से और साथ ही मेसर्ज झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज झेझियांग हेंगडियान अपेलोआ एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड नामक उससे असंबद्ध दो व्यापारिक कंपनियों के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। इन दोनों व्यापारिक कंपनियों ने पृथक रूप से अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं। इन उत्पादक और निर्यातक कंपनियों ने अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, हैंडलिंग और सीमा-शुल्क प्रभारों, बीमा, क्रेडिट लागत के लिए समायोजन, वैट समायोजन और बैंक प्रभारों का दावा किया है तथा उसे प्राधिकारी द्वारा अनन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया गया है। तदनुसार चिबांग के

प्रत्यक्ष निर्यातों के लिए और कारखाना-गत स्तर पर निर्यातकों के माध्यम से अनन्तिम निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है, जिसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

व्यापारी जेजियांग कैमिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, झेनजियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड, जेजियांग जिनयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, जेजियांग हेंगडियन अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड के साथ-साथ यांगचेंग जिनअनझाऊ, फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)

32. यांगचेंग जिनअनझाऊ, फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड ("यांगचेंग जिनअनझाऊ") द्वारा दायर किए गए उत्तर से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यांगचेंग जिनअनझाऊ चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है। जांच की अवधि के दौरान, जिनअनझाऊ ने भारत में निर्यात के लिए चार असंबंधित व्यापार कंपनियों अर्थात् मै.जेजियांग कैमिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, झेनजियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड, जेजियांग जिनयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, जेजियांग हेंगडियन अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड को संबद्ध वस्तुओं की *** किग्रा. बिक्री की। सभी व्यापार कंपनियों ने अलग-अलग उत्तर दायर किए हैं। अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, रखरखाव व सीमाशुल्क प्रभार, बीमा, ऋण लागत, वैट समायोजन और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन का दावा उत्पादक और निर्यातकों द्वारा किया गया है और इस प्राधिकारी द्वारा इसकी अनुमति अनन्तिम रूप से दी गई है। तदनुसार, अनन्तिम निर्यात कीमत का निर्धारण यांगचेंग जिनअनझाऊ के लिए कारखानागत स्तर पर किया गया है जिसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

व्यापारी ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक, जेजियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, जेजियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड, चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन के साथ-साथ इनर मंगोलिया युआनहोंग फाइन कैमिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)

33. इनर मंगोलिया युआनहोंग फाइन कैमिकल कंपनी लिमिटेड ("इनर मंगोलिया युआनहोंग") द्वारा दायर किए गए उत्तर से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इनर मंगोलिया युआनहोंग चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है। जांच की अवधि के दौरान, इनर मंगोलिया युआनहोंग ने चार असंबंधित व्यापार कंपनियों अर्थात् व्यापारी ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक, जेजियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, मै.जेजियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड, चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का *** किग्रा. निर्यात किया। सभी व्यापार कंपनियों ने अलग-अलग उत्तर दायर किए हैं। अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, रखरखाव व सीमाशुल्क प्रभार, बीमा, ऋण लागत, वैट समायोजन और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन का दावा उत्पादक और निर्यातकों द्वारा किया गया है और इस प्राधिकारी द्वारा इसकी अनुमति अनन्तिम रूप से दी गई है। तदनुसार, अनन्तिम निर्यात कीमत का निर्धारण इनर मंगोलिया युआनहोंग के लिए कारखानागत स्तर पर किया गया है जिसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

व्यापारी मै. जेजियांग हेंगडियन अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड के साथ-साथ जियांगशी डाडी फार्मास्युटीकल लिमिटेड लायबिलिटी कंपनी (उत्पादक)

34. जियांगशी डाडी फार्मास्युटीकल लिमिटेड लायबिलिटी कंपनी ("जियांगशी डाडी") द्वारा दायर किए गए उत्तर से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जियांगशी डाडी चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है। जांच की अवधि के दौरान, जियांगशी डाडी ने असंबंधित व्यापार कंपनी मै. जेजियांग हेंगडियन अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड जिसने अलग से उत्तर दायर किया है, के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का *** किग्रा. निर्यात किया। अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, रखरखाव व सीमाशुल्क प्रभार, बीमा, ऋण लागत, वैट समायोजन और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन का दावा उत्पादक और निर्यातकों द्वारा किया गया है और इस प्राधिकारी द्वारा इसकी अनुमति अनन्तिम रूप से दी गई है। तदनुसार, अनन्तिम निर्यात कीमत का निर्धारण जियांगशी डाडी के लिए कारखानागत स्तर पर किया गया है जिसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

व्यापारी मै. ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक, शंघाई चांगयू कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, जेजियांग मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, जेजियांग कैमिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, जेजियांग जिंगियांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, चायना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन के साथ-साथ जेजियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)

35. जेजियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड ("जेजियांग युआनहोंग") द्वारा दायर किए गए उत्तर से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जेजियांग युआनहोंग चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है। जांच की अवधि के दौरान, जेजियांग युआनहोंग ने स्वयं के द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का *** किग्रा. निर्यात किया और व्यापार

कंपनियों अर्थात् मै. ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक, शंघाई चांगयू कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, जेझियांग मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, जेझियांग कैमिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, जेझियांग जिंगियांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, चायना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन के माध्यम से भारत में इनर मंगोलिया युआनहोंग फाइन कैमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्मित वस्तुओं का भी *** किग्रा. निर्यात किया। सभी व्यापार कंपनियों ने अलग-अलग उत्तर दायर किए हैं। अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, रखरखाव व सीमाशुल्क प्रभार, बीमा, ऋण लागत, वैट समायोजन और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन का दावा उत्पादक और निर्यातकों द्वारा किया गया है और इस प्राधिकारी द्वारा इसकी अनुमति अनंतिम रूप से दी गई है। तदनुसार, अनंतिम निर्यात कीमत का निर्धारण जेझियांग युआनहोंग के लिए कारखानागत स्तर पर किया गया है जिसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

पाटन मार्जिन

36. उपर्युक्त में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नीचे दिए गए अनुसार किया गया है :-

पाटन मार्जिन तालिका

क्र.सं.	उत्पादक	निर्यातक	संरचित सामान्य मूल्य अम.डॉ./कि.ग्रा.	कारखानागत निर्यात कीमत अम.डॉ./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन अम.डॉ./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन % रेंज
1.	जियांशी चिबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	जियांशी चिबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	15-25
2.	जियांशी चिबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	i. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड ii. जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	30-40
3.	मै. यांगचेंग जिनअनझाऊ फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	i. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड ii. जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड. iii. जेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड iv. जेझियांग जिंगयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	25-35
4.	मै. यांगचेंग जिनअनझाऊ फार्मास्युटीकल कंपनी	i. ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक	***	***	***	***	45-55

	लिमिटेड	ii. जेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड iii. जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड iv. चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन					
5.	मै. जियांगशी डाडी फार्मास्युटीकल लिमिटेड लायबिलिटी कंपनी	जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड.	***	***	***	***	10-20
6.	जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	i. जेझियांग मेडिसिन एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड ii. चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन iii. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड iv. जेझियांग जिंगयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड. v. ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक vi. शंघाई चांगयू कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	20-30
7.	कोई अन्य	अन्य	***	***	***	***	45-55

छ. क्षति की जांच और कारणात्मक संबंध

ज.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

37. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- (1) याचिका से यह स्पष्ट है कि आवेदक ने घरेलू बाजार में कोई भी सामान नहीं बेचा है; वे स्वयं भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। चूंकि आवेदक ने घरेलू बाजार में इस उत्पाद को नहीं बेचा है, अतः इसे निम्न कीमतों पर बेचने का कोई प्रश्न नहीं उठता है। कोई घरेलू बिक्री नहीं का अर्थ कोई घरेलू कीमत नहीं होती है और इस

प्रकार से कीमत में कटौती, कीमत पर दबाव और कीमत में ह्रास, गिरावट का लाभ, नियोजित पूंजी पर आय आदि जैसे मानदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग पर आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में निष्कर्ष निराधार है।

- (2) बिक्री और क्षति के आरोप के समर्थन में क्षतिरहित कीमत अथवा उसकी गणना का उल्लेख कम कीमत पर नहीं किया गया है। कीमत में क्षति को सिद्ध करने के लिए कारकों को सिद्ध नहीं किया गया है अथवा याचिकाकर्ता द्वारा स्पष्ट रूप से आरोप नहीं लगाए गए हैं।
- (3) घरेलू उद्योग की स्थापना में कोई वास्तविक पिछड़ेपन अथवा कारणात्मक संबंध को वर्तमान मामले में साबित नहीं किया गया है। जैसा कि आरोप लगाया गया है, घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है और उनके आर्थिक मानदंड में संबद्ध देश से आयातों पर ध्यान दिए बिना सुधार होता हुआ प्रतीत होता है।
- (4) आयात सापेक्ष रूप में नहीं बढ़ा है। स्पष्ट रूप से चूंकि याचिकाकर्ता की बिक्री में 2015 में शून्य मी.टन से 126 मी.टन तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच की अवधि में यह बढ़कर 220 मिलियन टन हो गया, यह स्पष्ट है कि घरेलू उत्पादन/बिक्री की वृद्धि का सापेक्ष आंकड़ा स्पष्ट रूप से आयातों की वृद्धि के सापेक्ष आंकड़ों से अधिक है। इस प्रकार से आयात घरेलू उद्योग के विकास में रूकावट पैदा नहीं कर रहा है।
- (5) याचिकाकर्ता ने एक इम्प्रायोनिक उद्योग के रूप में दावा किया है जिसका उत्पादन का कोई इतिहास नहीं है। इस प्रकार से प्राधिकारी ने गिरावट का निष्कर्ष निकाला है जहां कोई तुलनात्मक आंकड़े मौजूद नहीं हैं।
- (6) आवेदन की उत्पादन की लागत का निर्धारण करते समय, असाधारण लागतों को बाहर रखा जाना चाहिए। वर्तमान जांच में घरेलू उत्पादक एक नया उद्योग है। इस कारण से एनआईपी की गणना में उत्पादन की उनकी वास्तविक लागत पर विचार करना सही परिणाम नहीं देगा।
- (7) आरोपित क्षति भारत में कच्चे माल की उच्च लागतों के कारण है।

ज. 2 घरेलू उद्योग के विचार

38. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के मामले में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

- (1) विचाराधीन उत्पाद की मांग आफ्लोसैक्सिन के उत्पादन में वृद्धि के साथ अब तक सकारात्मक रही है।
- (2) याचिकाकर्ता ने अक्टूबर, 2015 से संबद्ध वस्तुओं का व्यापक स्तर पर व्यापारिक उत्पादन शुरू किया और अब तक उत्पादित वस्तुओं की खपत कैप्टिव रूप में की गई है। अक्टूबर, 2015 तक समग्र मांग चीन से आयातों द्वारा पूरी की जा रही थी। याचिकाकर्ता द्वारा विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के साथ, आयातों के बाजार हिस्से में गिरावट आई और याचिकाकर्ता का बाजार हिस्सा बढ़ा। हालांकि, चीन के उत्पादकों द्वारा कीमत में कमी के साथ, आयातों का बाजार हिस्सा एक बार फिर बढ़ गया और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई।
- (3) मांग को पूरा करने के लिए क्षमता होने के बावजूद, आवेदक अपनी क्षमता का पूर्ण रूप से उपयोग करने में सक्षम नहीं है क्योंकि आयात किए गए सामानों की कीमत स्वदेश में उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की कीमत से बहुत कम है। वास्तव में आयात किए गए सामानों की कीमत घरेलू उद्योग की कच्चे माल की लागत की कीमत से भी कम थी।
- (4) आयात कीमत में विशेष रूप से अक्टूबर, 2015 के बाद तेजी से गिरावट आयी थी। वास्तव में यह गिरावट आयात की कीमत पर अमरीकी डॉलर के मामले में विचार किए जाने पर बहुत अधिक है।
- (5) यदि आयात की कीमत की कच्चे मालों एवं उपयोगिताओं पर विचार करने पर उत्पादन की लागत से तुलना की जाती है, तब यह देखा जाएगा कि आयात की कीमतें कच्चे मालों और उपयोगिताओं के कारण लागतों से भी कम रही है।
- (6) आवेदक ने 2015-16 में व्यापारिक उत्पादन शुरू किया। आवेदक ने यह सूचित करते हुए प्रमुख व्यापार पत्रिकाओं (कैमिकल वीकली) में विज्ञापन भी निकाला कि आवेदक बाजार में विचाराधीन उत्पाद बेच रहा है। हालांकि आवेदक को उपभोक्ताओं से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जब बाजार में यह सामग्री लागतों से भी कम मूल्य पर उपलब्ध है तब यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि उपभोक्ता भारतीय बाजार से इस उत्पाद को खरीदने में बिल्कुल इच्छुक नहीं है।
- (7) घरेलू उद्योग जिसने अक्टूबर, 2015 में व्यापारिक उत्पादन शुरू किया, को उसके बाद जनवरी, 2016 में उत्पादन स्थगित करना पड़ा। दिसंबर, 2015 में माल भंडार बहुत उच्च स्तर तक पहुंच गया जिसके

- फलस्वरूप जनवरी, 2016 में उत्पादन को रोकना पड़ा। इसके अलावा, उत्पादन फरवरी, 2016 के दौरान भी कम रहा।
- (8) चीन के उत्पादक भी भारतीय बाजार में डाउन स्ट्रीम उत्पाद अर्थात् ऑफ्लोसैक्सिम के पाटन का सहारा ले रहे हैं। अतः इस देश में दोनों उत्पादों का पाटन घरेलू उद्योग को अपना निजी उत्पादन अपनी निजी आवश्यकताओं की सीमा तक उपयोग करने से रोक रहा है।
 - (9) घरेलू उद्योग ने दिसंबर, 2015 में *** % और उसके बाद मार्च, 2016 में *** % का क्षमता उपयोग प्राप्त किया। हालांकि घरेलू उद्योग इस देश में पाटन को देखते हुए इस उत्पादन स्तर को नियमित रूप से रखने में सक्षम नहीं है।
 - (10) बाजार में ऑफ्लोसैक्सिम के पाटन को देखते हुए, स्पष्ट रूप से आवेदक को बाजार से ऑफ्लोसैक्सिम के लिए और अधिक कीमतें नहीं मिलती और समग्र घाटा उठाने के लिए मजबूर होना पड़ता। जबकि आवेदक को पहले से ही ऑफ्लोसैक्सिम में वित्तीय हानि उठानी पड़ रही है, यदि आवेदक ने ओ-एसिड के अपने निजी उत्पादन पर अपना पूरा प्रचालन आधारित किया होता तो आवेदक को और अधिक एवं पर्याप्त वित्तीय हानि हुई होती।
 - (11) अनुमानित लाभप्रदता और वास्तविक लाभप्रदता की जांच यह दर्शाती है कि आवेदक को कैप्टिव बिक्री में पर्याप्त हानि हुई और यदि आवेदक ने वर्तमान आयात कीमतों के अनुरूप कीमतों पर इस उत्पाद को बेचा होता तब उन्हें पर्याप्त वित्तीय हानि उठानी पड़ी होती।
 - (12) आवेदक ने ओ-एसिड के निर्माण में नए निवेश किए हैं। हालांकि इस उत्पाद का कार्य-निष्पादन बहुत प्रतिकूल है। व्यापारिक उत्पादन शुरू करने के बावजूद, घरेलू उद्योग इस देश में विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण इस उत्पाद को इसकी क्षमताओं की सीमा तक उत्पादन करने और बेचने में सक्षम नहीं है।
 - (13) याचिकाकर्ता पूर्व में आफ्लोसैक्सिम के उत्पादन में खपत के लिए ओ-एसिड की समग्र मात्रा का निर्यात कर रहा था। याचिकाकर्ता ने अब ओ-एसिड का उत्पादन करना शुरू कर दिया है। हालांकि याचिकाकर्ता को ओ-एसिड और आफ्लोसैक्सिम के पाटन के कारण ओ-एसिड के उत्पादन को आरंभ करने के बाद भी ओ-एसिड का आयात करना पड़ा है।
 - (14) यदि याचिकाकर्ता ने इनहाऊस ऑफ्लोसैक्सिम का निर्माण करने के लिए अपेक्षित ओ-एसिड की समग्र मात्रा का उत्पादन किया होता तब याचिकाकर्ता द्वारा आयात की गई संबद्ध वस्तुओं का आंशिक रूप में उपयोग न किए जाने पर बहुत अधिक लाभप्रदता होती।
 - (15) प्राधिकारी घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का आकलन घरेलू उद्योग के मौजूद होने की सीमा तक कर सकते हैं। याचिकाकर्ता ने संगत अवधि के लिए सूचना प्रदान की है, हालांकि इस तथ्य पर विचार करने तथा इसको समझने के बाद कि संगत अवधि तीन वर्ष की अवधि से बहुत कम है, याचिकाकर्ता ने अपने मामले को सिद्ध करने के लिए मासिक और फिर तिमाही विश्लेषण किया है।
 - (16) सभी मानदंडों के मामले में घरेलू उद्योग की वृद्धि कम रही है। नई कंपनी होने के कारण घरेलू उद्योग ने मात्रा और कीमत दोनों मानदंडों में बहुत अधिक वृद्धि की अपेक्षा की थी। हालांकि इस देश में इस उत्पाद का पाटन बाजार में घरेलू उद्योग के वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।
 - (17) जबकि, वास्तविक क्षति अथवा वास्तविक क्षति के खतरे की जांच एक मौजूद घरेलू उद्योग पर लागू की जा सकती है, घरेलू उद्योग के मामले में इसे पूर्ण रूप से अभी सिद्ध किया जाना है, जो जांच लागू की जा सकती है वह लक्षित कार्य निष्पादन की सीमा तक उद्योग की स्थापना का वास्तविक पिछड़ापन तथा उसके होने की सीमा तक वास्तविक क्षति के रूप में की जाएगी।
 - (18) वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता ने व्यापारिक उत्पादन अक्टूबर, 2015 में शुरू किया है, इस कारण से प्राधिकारी (क) पाटन के प्रभाव को स्थापित करने के लिए अब तक वास्तविक कार्य निष्पादन (ख) वास्तविक क्षति के खतरे को सिद्ध करने के उद्देश्य से संभावित स्थिति (ग) क्या विचाराधीन उत्पाद का पाटन भारत में घरेलू उद्योग की स्थापना को पर्याप्त रूप से पीछे धकेल रहा है, पर विचार कर सकते हैं।

ज. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

39. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में विभिन्न अनुरोधों का ध्यान रखा है और रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानूनों पर विचार करने के बाद उसका विश्लेषण किया है।

प्राधिकारी द्वारा यहां नीचे किए गए क्षति विश्लेषण वास्तव में हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का समाधान करते हैं।

40. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

41. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, प्राधिकारी ने ऊपर दी गई नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसार, ऐसे और सूचकांकों पर विचार किया है जिसका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो, जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन का आकार एवं मार्जिन आदि।

42. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में जैसा कि पहले ही दर्शाया गया है, घरेलू उद्योग ने आरोप लगाया है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद का पाटन घरेलू उद्योग की स्थापना को पर्याप्त रूप से पीछे धकेल रहा है। इस संदर्भ में प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 4 (1) (ग) (ii) और नियम 11 (1) पर भरोसा किया है, जिसका उल्लेख नीचे किया गया है:-

नियम 4 (1) (ग) (ii)

"विशिष्ट देशों से ऐसी वस्तु के आयात के परिणामस्वरूप भारत में किसी उद्योग की स्थापना को वास्तविक रूप से हानि पहुंचाना अथवा भारत में स्थापित किसी उद्योग को क्षति अथवा क्षति का खतरा"

नियम 11 (1)

"विशिष्ट देशों से आयातों के मामले में, निर्दिष्ट प्राधिकारी आगे इस निष्कर्ष को रिकॉर्ड करेंगे कि भारत में ऐसी वस्तु का आयात भारत में स्थापित किसी उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंचाता है अथवा क्षति होने का खतरा है अथवा भारत में किसी उद्योग की स्थापना को वास्तविक रूप से पीछे धकेलता है।"

43. चूंकि घरेलू उद्योग एक नया उद्योग है और इसमें अक्टूबर, 2015 में ही उत्पादन शुरू किया और इसे अभी पूर्ण रूप से स्थापित होना है, प्राधिकारी ने (क) इसके होने की सीमा तक वास्तविक कार्य निष्पादन और (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति की भी जांच की है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग के होने की लघु अवधि को देखते हुए, प्राधिकारी ने क्षति के मानदंडों का मासिक एवं तिमाही विश्लेषण भी किया है।

मांग का आकलन

44. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से भारत में इस उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को आवेदक की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में परिभाषित किया है। जबकि, जांच की अवधि में इस आवेदक द्वारा कोई व्यापारिक बिक्री नहीं हुई है, आवेदक ने इस उत्पाद की खपत कैप्टिव रूप से की है और उस पर इस देश में इस उत्पाद की खपत के आकलन के लिए विचार किया है। इस प्रकार से आकलित मांग नीचे तालिका में दी गई है:-

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि (जुलाई 2015- जून 2016)
संबद्ध देश	मी.ट.	427	516	583	524
घरेलू उद्योग घरेलू बिक्री	मी.ट.	0	0	126	224
अन्य भारतीय उत्पादक	मी.ट.	0	0	0	0
मांग/खपत					
कैप्टिव खपत सहित	मी.ट.	427	516	709	748

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग में वृद्धि क्षति की अवधि के दौरान हुई है और मांग में बहुत अधिक उछाल 2015-16 के दौरान देखा गया है।

झ. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

(1) आयात की मात्रा और और आयातों में बाजार हिस्सा

46. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस पर विचार करे कि क्या पाटित आयातों में वास्तविक वृद्धि स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में हुई है। क्षति के विश्लेषण के प्रयोजन से प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त लेनदेनवार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देश और अन्य देशों से वर्षवार और माहवार आयात आंकड़े नीचे तालिकाओं में दिए गए हैं :-

वार्षिक आयात

विवरण	यूओएम	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
चीन	मी.ट.	427	516	583	524
अन्य देश	मी.ट.	0	0	0	0
कुल	मी.ट.	427	516	583	524

47. संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के वार्षिक आयातों का विश्लेषण दर्शाता है कि क्षति की अवधि के दौरान आयातों में वृद्धि हुई है लेकिन घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन को शुरू किए जाने के कारण जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है। संबद्ध देश के अलावा कोई अन्य देश के अलावा कोई आयात नहीं किया गया है।

48. प्राधिकारी ने मासिक आधार पर आयातों की मात्रा और आयात की कीमत का भी विश्लेषण किया है जो दर्शाता है कि आयात की कीमत जुलाई, 2015 से जून, 2016 तक गिरती हुई प्रवृत्ति दर्शाती रही है। जनवरी, 2016 के बाद से गिरावट में बहुत तेजी आई है। आगे यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने अक्टूबर, 2015 में विचाराधीन उत्पाद का व्यापक आधार पर वाणिज्यिक उत्पादन एवं खपत शुरू की है जिसके फलस्वरूप आयातों में गिरावट आई है। हालांकि, चीनी उत्पादकों ने बाजार फिर से प्राप्त करने के उद्देश्य से अपनी कीमतों में बहुत अधिक कटौती की है और आयात फरवरी, 2016 के बाद से बढ़ा है।

माह-वार आयात और आयात कीमत

माह	आयात (मी.ट.)	आयात कीमत (रू./किग्रा.)
जुलाई-15	96	2344
अगस्त-15	52	2300
सितंबर-15	85	2320
अक्टूबर-15	29	2404
नवंबर-15	22	2198
दिसंबर-15	4	2237
जनवरी-16	16	2022
फरवरी-16	60	2057
मार्च-16	39	2019
अप्रैल-16	8	2045
मई-16	66	2017
जून-16	45	2077

ट. मांग में बाजार हिस्सा

49. कैप्टिव खपत सहित और उसके रहित बाजार के हिस्से का विश्लेषण नीचे दिए गए अनुसार किया गया है :-

	यूओएम	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
संबद्ध देश – चीन	मी.ट.	427	516	583	524
घरेलू उद्योग घरेलू बिक्री/कैप्टिव	मी.ट.	0	0	126	224
अन्य भारतीय उत्पादक	मी.ट.	0	0	0	0
कैप्टिव सहित मांग	मी.ट.	427	516	709	748
कैप्टिव रहित मांग	मी.ट.	310	244	583	524
आयातों का बाजार हिस्सा					
कैप्टिव खपत सहित	%	100%	100%	82%	70%
कैप्टिव खपत रहित	%	100%	100%	100%	100%

50. उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि पूरा आयात चीन से हुआ है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि उनके द्वारा कैमिकल वीकली में विज्ञापन देकर और विभिन्न ग्राहकों से संपर्क कर बाजार में संबद्ध वस्तुओं को देने के लिए किए गए अनेक प्रयासों के बावजूद, घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में कोई बिक्री कर पाने में सक्षम नहीं रहे हैं। इस कारण से आवेदक कैप्टिव उपयोग के लिए ही अपने उत्पादन का उपयोग कर सकते थे और इसलिए उत्पादन में उस सीमा तक कटौती करनी पड़ी और उसके द्वारा आयातों में घरेलू उद्योग को बिक्री के इसकी अनुमानित लक्ष्य प्राप्त करने से रोका।

51. कुल मांग में घरेलू उद्योग और आयात का बाजार हिस्सा का आगे विश्लेषण मासिक आधार पर नीचे दिए गए अनुसार किया गया है :-

आयातों का माह-वार विश्लेषण

• अवधि	• चीन का बाजार हिस्सा %	घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा %
जांच की अवधि	70	30
• जुलाई-15	• 100	• 0
• अगस्त-15	• 100	• 0
• सितंबर-15	• 98	• 2
• अक्टूबर-15	• 77	• 23
• नवंबर-15	• 50	• 50
• दिसंबर-15	• 14	• 86
• जनवरी-16	• 40	• 60
• फरवरी-16	• 91	• 9
• मार्च-16	• 48	• 52
• अप्रैल-16	• 26	• 74
• मई-16	• 65	• 35

• जून-16

• 59

• 41

52. कैप्टिव खपत सहित मांग और बाजार के हिस्से का जहां तक प्रश्न है, आयातों का हिस्सा घरेलू उद्योग द्वारा व्यापारिक उत्पादन शुरू किए जाने के पूर्व 100 प्रतिशत से घटकर जांच की अवधि में 70 प्रतिशत हो गया है। हालांकि, बाजार हिस्से के मासिक विश्लेषण से यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग उत्पादन शुरू करने के बाद अपने बाजार हिस्से में तेजी से वृद्धि करने में सक्षम था। हालांकि, चीन के उत्पादकों द्वारा कीमतों में कटौती के साथ, चीन के आपूर्तिकर्ताओं का बाजार हिस्सा एक बार फिर बढ़ गया और घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा गिर गया। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा दिसंबर, 2015 में 86 प्रतिशत तक पहुंच गया। हालांकि उसमें उसके बाद गिरावट आई और यह जून, 2016 में 41 प्रतिशत हो गया।

2. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

53. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस पर विचार करे कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्य प्रकार से काफी हद तक कीमतों पर दबाव पड़ता अथवा कीमत में वृद्धि को रोकता जो अन्य प्रकार से काफी हद तक बढ़ गई होगी। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव को कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत पर दबाव और कीमत में ह्रास, यदि कोई हो, पर विचार करने के बाद ही देखा जाना अपेक्षित है। उत्पादन की लागत के उद्देश्य से प्राधिकारी घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर), क्षति रहित कीमत (एन आई पी) और संबद्ध देश से आयातों की पहुंच कीमत पर विचार करते हैं। हालांकि, वर्तमान मामले में जहां एक नए उत्पादक ने किसी उत्पाद के लिए व्यापारिक उत्पादन शुरू किया है, जिसका उत्पादन पहले नहीं किया जा रहा था और जहां प्राधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या पाटित आयात पर्याप्त रूप से बाजार में घरेलू उद्योग की स्थापना को बाधित कर रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का प्रभाव उन कीमतों पर विचार करने के बाद विचार किया जाना अपेक्षित है, जिस पर इस उत्पाद को घरेलू उद्योग द्वारा बेचा गया है अथवा बिक्री के लिए प्रस्ताव किया गया है, उत्पादन की आदर्शतम लागत और घरेलू उद्योग की एनआईपी की तुलना आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

कीमत में कटौती

54. कीमत में कटौती का आकलन आयातों की पहुंच कीमत की तुलना उस कीमत से करने के बाद किया गया है जिस पर इस उत्पाद को घरेलू उद्योग द्वारा भारत में बेचा गया है अथवा बिक्री के लिए प्रस्ताव किया गया है। यह उल्लेख किया गया है कि आवेदक ने इस उत्पाद के उपभोक्ताओं को उस कीमत पर प्रस्ताव किया है जो उत्पादन की लागत, एनआईपी और आयातों के पहुंच कीमत से कम है। इसके अलावा, आवेदक ने संबद्ध वस्तुओं को आफ्लोसैक्सिसन के उत्पादन में कैप्टिव खपत के लिए स्थानांतरित किया है। आयातों की पहुंच कीमत उस कीमत से बहुत कम है जिस पर संबद्ध वस्तुओं का स्थानांतरण आफ्लोसैक्सिसन में उत्पादन के लिए किया गया है। इसके अलावा, इस प्रकार की स्थानांतरण कीमत घरेलू उद्योग की एन आई पी कीमत से कम है। व्यापारिक उत्पादन शुरू करने के बाद, चीन के उत्पादकों ने कीमतों में और आगे बहुत कटौती की है। इस प्रकार से यह देखा गया है कि आयातों की पहुंच कीमत लागत के स्तर, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग की एनआईपी से बहुत कम रही। इस प्रकार से आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहा है और इसका घरेलू बाजार में कीमतों पर पर्याप्त दमनकारी प्रभाव पड़ रहा है। आगे यह नोट किया गया है कि आयात कीमत घरेलू उद्योग की कच्चे माल की कीमत से भी कम है।

3. घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

1. उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा और माल भंडार

55. चूंकि आवेदक एक नया उत्पादक है और इसने अक्टूबर, 2015 में भी व्यापारिक उत्पादन शुरू किया है, प्राधिकारी ने नीचे दी गई तालिका में दर्शाए गए अनुसार जांच की अवधि के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री का एक मासिक विश्लेषण किया है और इसकी तुलना उनके अनुमानों/लक्षित कार्य निष्पादन के साथ की है।

अवधि	वास्तविक के अनुसार					अनुमान के अनुसार		
	क्षमता (मी.ट.)	उत्पादन (मी.ट.)	क्षमता उपयोग (%)	बिक्री (कैप्टिव) (मी.ट.)	अंतिम भंडार (मी.ट.)	उत्पादन	क्षमता उपयोग	बिक्री (कैप्टिव सहित)

जुलाई-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
अगस्त -15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
सितंबर-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
अक्टू -15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
नवंबर-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
दिसंबर-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
जन.-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
फर. -16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
मार्च -16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
अप्रैल -16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
मई -16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
जून -16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
ति.1	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
ति.2	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
ति.3	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
ति.4	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***
जांच की अवधि	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ** *	● ***

56. यह देखा गया है कि

(क) घरेलू उद्योग के पास देश में इस उत्पाद की मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है।

(ख) उत्पादन अगस्त, 2015 में शुरू हुआ और इसका व्यापारीकरण अक्टूबर, 2015 में किया गया। उसके बाद उत्पादन में दिसंबर, 2015 तक वृद्धि हुई। हालांकि, उत्पादन से बहुत कम कैप्टिव खपत रहने और घरेलू उद्योग से उपभोक्ताओं द्वारा खरीद न करने के साथ माल भंडार बढ़ता रहा। इस प्रकार से जब घरेलू उद्योग ने कैप्टिव उपयोग के लिए इस उत्पादन के हिस्से का भी उपयोग किया, तब भी घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में इस उत्पाद को नहीं बेच सका।

(ग) यह देखा गया है कि आवेदक ने ई-मेल के माध्यम से उपभोक्ताओं से सीधे संपर्क कर तथा सार्वजनिक रूप से विज्ञापन देकर बाजार में इस उत्पाद को बेचने के लिए बार-बार प्रयास किया। हालांकि, घरेलू उद्योग इस उत्पाद को बेचने में

बाजार में पाटित सामान की उपलब्धता के कारण सफल नहीं हो सका। संबद्ध वस्तुओं की किसी व्यापारिक बिक्री के बिना, माल भंडार का स्तर बढ़ता रहा क्योंकि कैप्टिव आवश्यकताएं उत्पादन और चिंताओं से बहुत कम थी। माल भंडार का स्तर दिसंबर, 2015 में बहुत अधिक स्तर पर था। उसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को जनवरी, 2017 में बंद करना पड़ा।

- (घ) जब घरेलू उद्योग ने फरवरी, 2016 में व्यापारिक उत्पादन भी शुरू किया, तब उत्पादन विनियमित रहा और माल भंडार का स्तर अधिक रहा। घरेलू उद्योग देश में उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की बिक्री करने में सफल नहीं हो पाया, क्योंकि चीन के उत्पादकों ने कीमतों में और अधिक कटौती कर दी।
- (ङ) घरेलू उद्योग ने अपने प्रचालन के प्रथम वर्ष में *** % क्षमता उपयोग और *** मी.ट. उत्पादन और बिक्री का अनुमान लगाया था। हालांकि, घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग अनुमानित स्तरों से बहुत कम रहा है और वास्तव में आवेदक द्वारा जो परिकल्पना की गई थी उसके आधे तक भी नहीं पहुंच सका।

लाभ/हानि, निवेश पर आय

57. घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ नीचे दिया गया है :-

माह	बिक्री की लागत	बिक्री प्राप्ति	लाभ	नकद लाभ	पीबीआईटी	नियोजित पूंजी	निवेश पर आय
	रू./कि.ग्र.	रू./कि.ग्र.	रू./कि.ग्र.	लाख रूपए	लाख रूपए	लाख रूपए	%
जुलाई-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	-
अगस्त-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	-
सितं.-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	***%
अक्टू.-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	(***)%
नवं.-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
दिसं.-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
जनवरी-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
फरवरी-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
मार्च-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
अप्रैल-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
मई-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
जून-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
ति 1	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***%
ति 2	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
ति 3	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
ति 4	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%
जांच की अवधि	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***	● (***)%

58. यह नोट किया गया कि :

- (क) घरेलू उद्योग का उद्देश्य व्यापारिक बिक्री करना था। हालांकि उन्होंने केवल कैप्टिव तरीके से इस उत्पाद की खपत की है। व्यापारिक बिक्री न होने पर, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय का निर्धारण स्थानांतरण कीमत पर विचार करते हुए किया गया है।

- (ख) घरेलू उद्योग को इस उत्पाद के कैप्टिव स्थानांतरण में बहुत अधिक वित्तीय हानि उठानी पड़ रही है। इसके परिणामस्वरूप नकदी का प्रवाह और निवेश पर आय भी पर्याप्त रूप से नकारात्मक है।
- (ग) चीन के उत्पादकों ने इस उत्पाद की कीमतों में कटौती की जिसके परिणामस्वरूप कैप्टिव खपत से पर्याप्त वित्तीय हानि, नकारात्मक निवेश पर आय और नकारात्मक नकदी का प्रवाह हुआ।
59. आगे यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने प्रचालन के प्रथम वर्ष अर्थात् 2016 में लाभ का अनुमान लगाया था। हालांकि, घरेलू उद्योग बाजार में पर्याप्त मात्रा में पाटित संबद्ध वस्तुओं की मौजूदगी को देखते हुए उत्पादन की उसकी लागत को प्राप्त करने में सफल नहीं हो पाया और इसे भारी हानि हुई है।

2. उत्पादकता, रोजगार और मजदूरी

60. नीचे दी गई मासिक सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रति दिन तथा प्रति कर्मचारी उत्पादकता के मामले में उत्पादकता जांच की अवधि के अंत तक गिरावट की प्रवृत्ति को दर्शाती है। इसके अलावा, भुगतान की गई मजदूरी में आंशिक वृद्धि हुई है।

माह	कर्मचारियों की क्षमता	उत्पादन मी.ट. में	उत्पादकता/ कर्मचारी	उत्पादकता/दिन	मजदूरी
जुलाई-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
अगस्त-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
सितं.-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
अक्टू.-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
नवं.-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
दिसं.-15	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
जनवरी-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
फरवरी-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
मार्च-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
अप्रैल-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
मई-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
जून-16	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
ति 1	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
ति 2	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
ति 3	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
ति 4	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***
जांच की अवधि	● ***	● ***	● ***	● ***	● ***

3. पाटन का आकार

61. संबद्ध देश से उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन जांच की अवधि के लिए बहुत है।

4. वृद्धि

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि देश में इस उत्पाद की पर्याप्त क्षमताओं और मांग के साथ इस देश में एक नया उत्पादक होने के बावजूद, घरेलू उद्योग का सभी प्रमुख आर्थिक मानदंडों के संबंध में नकारात्मक वृद्धि हुई है। इन आयातों ने घरेलू उद्योग को अपने आपको स्थापित करने से रोका है।

5. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

63. इस देश में पर्याप्त मांग वाले किसी उत्पाद में भारत में नए निवेश के बावजूद, घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन प्रतिकूल है। अथाह बाजार हिस्से के साथ-साथ नकारात्मक लाभप्रदता, निवेश पर आय दर्शाती है कि घरेलू उद्योग की इस क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।

6. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

64. आयात उस कीमत पर हुए हैं जो घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत और एन आई पी से बहुत कम है। चूंकि घरेलू उद्योग में एकमात्र प्रतिस्पर्धा आयात है और घरेलू उद्योग इस देश में नया उत्पादक है, अतः यह आयात की कीमत है जो घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित कीमतों के लिए एकमात्र जिम्मेदार है।

7. क्षति का समग्र आकलन

65. संबद्ध उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जांच स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन शुरू करने के बावजूद वृद्धि हुई है। आयात उस कीमत पर हुआ है जो घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत और एन आई पी से बहुत कम है और इस प्रकार से इसके फलस्वरूप बहुत अधिक कटौती हुई है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग बाजार में बहुत अधिक पाटित आयातों की उपलब्धता के मद्देनजर बार-बार प्रयास करने के बावजूद घरेलू बाजार में अपने उत्पाद को नहीं बेच सका। जब घरेलू उद्योग ने सामान्य स्तर पर सृजित नई सुविधाओं का उपयोग और उत्पादन शुरू किया तब भी उत्पादन और क्षमता में कुछ स्तरों तक पहुंचने के बाद बहुत अधिक गिरावट आई। उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट घरेलू उद्योग की इस बाजार में उत्पाद को बेचने में असमर्थ रहने के कारण आयी। उपभोक्ता चीन से पाटित सामग्री की उपलब्धता के कारण घरेलू उद्योग से खरीदने के लिए इच्छुक नहीं हैं। घरेलू उद्योग को बहुत अधिक वित्तीय हानि, नकद हानि उठानी पड़ रही है और निवेश पर नकारात्मक आय हो रही है।

ज. अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

66. पर्याप्त क्षति तथा नए उद्योग की स्थापना पर दबाव, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा और कीमत का प्रभाव की मौजूदगी की जांच करने के बाद, पाटनरोधी भारतीय नियमावली और करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मानदंडों की जांच प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए की गई है कि क्या पाटित आयातों के अलावा, कोई अन्य कारक घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकता था।

(क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

67. यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से आयात भारत में आयातों का 100 प्रतिशत होता है और इस प्रकार से अन्य देशों से आयातों का कोई प्रश्न नहीं उठता है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती हो।

(ख) मांग में संकुचन

68. विचाराधीन उत्पाद की मांग में गिरावट नहीं आयी है। इस प्रकार से मांग में संकुचन घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति के लिए एक संभावित कारण नहीं है। वास्तव में घरेलू उद्योग इस देश में अब तक उत्पादित न किए गए किसी उत्पाद के लिए एक नया उत्पादक है।

(ग) खपत की पद्धति में परिवर्तन

69. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत की पद्धति में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और इस कारण से यह घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति का कारण नहीं रहा होगा।

(घ) विदेशी और घरेलू उत्पादकों का व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसा कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई होगी।

(ङ.) प्रौद्योगिकी का विकास

71. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई बदलाव नहीं आया है। इस कारण से प्रौद्योगिकी का विकास क्षति का कारक नहीं है।

(च) निर्यात का निष्पादन

72. आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। अतः घरेलू उद्योग की दावा की गई क्षति निर्यात के कारण नहीं हो सकती है।

(छ) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की जा रही और बेची जा रही अन्य उत्पादों का कार्य निष्पादन :

73. घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति विचाराधीन उत्पाद के कारण है।

झ. क्षति का आकार और क्षति मार्जिन

74. प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के संबंध में यथानिर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का क्षतिरहित कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से इन निर्यातों की पहुंच मूल्य के साथ किया गया है और इस प्रकार से तय किया गया क्षति मार्जिन नीचे दिया गया है :-

क्र.सं.	उत्पादक	निर्यातक	एनआईपी अम.डॉ/कि.ग्रा.	पहुंच कीमत अम.डॉ/कि.ग्रा.	क्षति मार्जिन अम.डॉ/कि.ग्रा.	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन % रेंज
1	जियांशी चिबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	जियांशी चिबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20
2	जियांशी चिबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	i. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड ii. जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	20-30
3	मै. यांगचेंग जिआनझाऊ फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	i. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड ii. जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड. iii. जेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड iv. जेझियांग जिंगयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20
4	मै. इनर मंगोलिया युआनहोंग फाइन कैमिकल कंपनी लिमिटेड	i. ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक ii. जेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड iii. जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	20-30

		iv. चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन					
5	मै. जियांगशी डाडी फार्मास्युटीकल लिमिटेड लायबिलिटी कंपनी	जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड.	***	***	***	***	0-10
6	मै. जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	i. जेझियांग मेडिसिन एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड ii. चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन iii. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड iv. जेझियांग जिंगयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड. v. ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक vi. शंघाई चांगयू कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	5-15
7	अन्य सभी	अन्य सभी	***	***	***	***	25-35

ट. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्य तौर पर पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति फिर से स्थापित हो सके जो इस देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को लगाने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देश/क्षेत्र से आयात बाधित नहीं होगा और इस कारण से उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

76. यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करते हुए निर्मित उत्पाद की कीमत के स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है और इसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपायों विशेषकर यदि पाटनरोधी शुल्क अब उस आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाए जिससे घरेलू उद्योग को क्षति से बचाया जा सके, द्वारा कम नहीं की जा सकेगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लगाने से पाटन प्रथाओं द्वारा प्राप्त किए जाने वाले अनुचित लाभ दूर किए जा सकेंगे, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट को रोका जाएगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

ठ. निष्कर्ष

77. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, दी गई सूचना और किए गए अनुरोध तथा इस जांच परिणाम में यथा रिकॉर्ड किए गए प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों के संबंध में तथा पाटन एवं परिणामी क्षति की स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:

- (1) संबद्ध वस्तुओं का निर्यात भारत में संबद्ध देश से उन कीमतों पर निर्यात किया गया है जो निर्यात करने वाले देश के घरेलू बाजार में उनके सामान्य मूल्य से कम है।

- (2) संबद्ध देश से आयात किए गए संबद्ध वस्तुओं का पाटन मार्जिन बहुत अधिक है और यह न्यूनतम से अधिक है।
- (3) घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण पर्याप्त चोट पहुंची है।
- (4) अनंतिम पाटनरोधी शुल्क जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा उठायी जा रही क्षति का समाधान करने के उद्देश्य से लगाया जाना अपेक्षित है।

ड. सिफारिशें

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और इसे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना देने के लिए समुचित अवसर दिया गया था। निर्धारित नियमों के संबंध में घरेलू उद्योग को पाटन, क्षति और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों की जांच शुरू करने तथा एक प्रारंभिक जांच पूरा करने के बाद तथा इस प्रकार के पाटित आयातों के कारण संबद्ध देश के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा घरेलू उद्योग की स्थापना को बहुत अधिक क्षति को अनंतिम रूप से स्थापित करने के बाद प्राधिकारी का मत है कि अनंतिम शुल्क लगाना, जांच की पूर्णता के लंबित होने तक पाटन से बचाने तथा घरेलू उद्योग को क्षति को रोकने के लिए अपेक्षित है। इस कारण से प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित रूप में तथा तरीके से लगाने की सिफारिश करते हैं।
79. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए अपेक्षाकृत कम शुल्क नियम के संबंध में, प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन में से जो भी कम हो, उसके बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को क्षति होने से बचाया जा सके। तदनुसार, नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम-8 में दर्शाई गई राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश केन्द्र सरकार द्वारा संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से करते हैं।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप शीर्ष अथवा टैरिफ मद*	वस्तु का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	29419030 29152990 29163990 29183090 29189900 29349900 29411090	ओ-एसिड अथवा आफ्लोसेक्सिन एसिड	चीन जन.गण	चीन जन.गण	जियांशी चिबांग फार्मास्यु टीकल कंपनी लिमिटेड	जियांशी चिबांग फार्मास्युटी कल कंपनी लिमिटेड.	4.94	किग्रा.	अम. डॉ.
2.	29419090 29420090	ओ-एसिड अथवा आफ्लोसेक्सिन एसिड	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	जियांशी चिबांग फार्मास्यु टीकल कंपनी लिमिटेड	i. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड. ii. जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड	7.50	किग्रा.	अम. डॉ.

						एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड			
3.		ओ-एसिड अथवा आफ्लोसेक्सिन एसिड	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	यांगचेंग जिनअन झाऊ, फार्मास्यु टीकल कंपनी लिमिटेड	i. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड. ii. जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड. iii. जेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड. iv. जेझियांग जिनयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड.	5.04	किग्रा.	अम डॉ.
4.		ओ-एसिड अथवा आफ्लोसेक्सिन एसिड	चीन जन.गण.	चीन जन. गण.	मै. इनर मंगोलिया युआनहोंग फाइन कैमिकल कंपनी लिमिटेड	i. ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक. ii. जेझियांग यूईजी बिजनेस	8.55	किग्रा.	अम डॉ.

						<p>सर्विस कंपनी लिमिटेड</p> <p>iii. जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टैक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड</p> <p>iv. चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन</p>			
5.		ओ-एसिड अथवा आफ्लोसेक्सिन एसिड	चीन जन.गण.	चीन जन .गण.	जियांगशी डाडी फार्मास्युटी कल लिमिटेड लायबिलि टी कंपनी	जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	0.03	किग्रा.	अम .डॉ.
6.		ओ-एसिड अथवा आफ्लोसेक्सिन एसिड	चीन जन.गण.	चीन जन. गण.	जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टैक्नोलॉ जी कंपनी लिमिटेड	<p>i. जेझियांग मेडिसिन एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड</p> <p>ii. चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन</p> <p>iii. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी</p>	3.57	किग्रा.	अम .डॉ.

						लिमिटेड. iv. जेझियांग जिनयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड. v. ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक. vi. शंघाई चांगयू कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड			
7.	29419030 29152990 29163990 29183090	ओ-एसिड अथवा आफ्लोसेक्सिन एसिड	चीन जन.गण.	चीन जन. गण.	उपरोक्त क्र.सं. 1 से 6 में उल्लिखित के अलावा कोई संयोजन		8.79	किग्रा.	अम .डॉ.
8.	29189900 29349900 29411090 29419090 29420090	ओ-एसिड अथवा आफ्लोसेक्सिन एसिड	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. को छोड़कर कोई अन्य देश	कोई	कोई	8.79	किग्रा.	अम .डॉ.
9.		ओ-एसिड अथवा आफ्लोसेक्सिन एसिड	चीन जन.गण. को छोड़कर कोई अन्य देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	8.79	किग्रा.	अम .डॉ.

* सीमाशुल्क वर्गीकरण सांकेतिक है और वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

ढ. आगे की प्रक्रिया :

नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित करने के बाद किया जाएगा।

- i. प्राधिकारी सभी हितवद्ध पक्षकारों से इन अनंतिम जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और उन पर, यदि प्राधिकारी द्वारा संगत माना जाएगा, अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा।

- ii. निर्यातक, आयातक, आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकार, जो इससे संबंधित जाने जाते हैं, को प्राधिकारी द्वारा अलग-अलग पत्र भेजा जा रहा है, जो इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रकाशन की तिथि से 40 दिनों के भीतर अपने विचार से अवगत करा सकते हैं।
- iii. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तिथि से 40 दिनों के भीतर अपने विचार से अवगत करा सकते हैं।
- iv. प्राधिकारी उस सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे जहां तक इसे आवश्यक समझा जाएगा।
- v. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम को अधिसूचित करने के पूर्व हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए मौखिक सुनवाई कर सकते हैं।
- vi. प्राधिकारी जांच परिणाम की घोषणा करने के पूर्व पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

डॉ. इंद्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI- DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd May, 2017

(Preliminary Findings)

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of O- Acid originating in or exported from China PR

No. 14/31/2016-DGAD: - Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the AD Rules);

A. Background of the Case

1. M/s. Aarti Drugs Ltd. (hereinafter referred to as the “applicant” or “domestic industry”) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for initiation of anti-dumping investigation and imposition of anti dumping duty concerning imports of O-Acid (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country).
2. Whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant, issued a Notification No. 14/31/2016-DGAD dated 21st September, 2016, published in the Gazette of India, initiating the subject investigations in accordance with the Rule 5 of the above Rule to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from China PR, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry

B. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed with regard to the subject investigation:
- The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - The Authority issued a notification dated 21st September, 2016 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
 - The Embassy of China in India was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) of the Rules with a request to advise the exporters/producers from China PR to respond to the questionnaire within prescribed time limit.
 - The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in China PR in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

SN	Name of Producer/ Exporter
1	Apeloa Kangyu Business Office
2	Zhejiang Jingxin Pharmaceutical Co., Ltd
3	Zhejiang East Pharmaceutical Ltd.
4	Yongning pharma
5	Jiangsu Guotai Int'l Group Huatai Imp. & Exp. Co Ltd
6	Zhejiang Medicines & Health Products Import & Export Co. Ltd
7	M/S. Zhejiang Chemicals Import & Ex
8	M/S. China Sinopharm International Corporation

- v. In response to the above notification, following exporters/ producers have responded or submitted exporter questionnaire responses.

SN	Name of Producer/ Exporter
1	Zhejiang Hengdian Apeloa Imp & Exp Co. Ltd
2	Jaingxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd
3	Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Co.
4	Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd
5	China Sinopharm International Corporation
6	Yancheng Xinanzhou Pharmaceutical Co, Ltd
7	Shanghai Changyu Chemical Technology Co. Ltd
8	Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co. Ltd
9	Dreamland Creation Inc.
10	Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co. Ltd
11	Zhejiang UeasyBusiness Service Co. Ltd
12	Zhejiang Medicines & Healthproducts Import & Export Co. Ltd
13	Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd

- vi. Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to the known producers/exporters in China PR and the Embassy of China PR in India with the request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time limit. None of the responding exporters have claimed MET.

- vii. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/ users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules. However, no questionnaire response has been received from any importer of the subject goods:

SN	Name of Importers/Consumers
1	M/s. Cipla Limited
2	M/s. Macleods Pharmaceuticals Ltd
3	M/s. J.B.Chemicals & Pharmaceutical Ltd.
4	M/s. Aristo Pharmaceutical Pvt Ltd
5	M/s. Sun Pharmaceutical Ind. Limited
6	M/s. Medi Pharma Drug House
7	M/s. FDC Ltd
8	M/s. Medley Pharmaceuticals Ltd
9	M/s. Cadila Healthcare Ltd.
10	M/s. Merck (India) Ltd
11	M/s. Alkem Laboratories Ltd.

- viii. The China Chamber of Commerce for Import & Export of Medicines & Health Products association have filed submissions but without a detailed Questionnaire response. Submissions made by these parties have also been taken into account in the present determination.
- ix. Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- x. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
- xi. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis and the same were kept in the public file maintained by the Authority as per the Rules.
- xii. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry;
- xiii. Applicant started their trial production in June 2015 and full scale production from October 2015. Investigation was carried out for the period starting from July 2015 - June 2016 (POI). Injury analysis has been carried out on month to month basis.
- xiv. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the POI. The authority has relied upon import data procured from DGCI&S in the present investigation.
- xv. The submissions made by the interested parties considered relevant by the Authority have been addressed in this preliminary finding.
- xvi. *** in this finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xvii. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$ = Rs. 66.84

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**C.1 Views of the Domestic industry**

4. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to product under consideration:
- The product under consideration is O-acid or Ofloxacin Acid. It is an intermediate chemical for manufacture of Ofloxacin, which is a synthetic chemotherapeutic antibiotic of the fluoroquinolone drug class considered to be a second-generation fluoroquinolone. Ofloxacin is a racemic mixture, which consists of 50% levofloxacin (the biologically active component) and 50% of its “mirror image” or enantiomer dextroflaxacin.
 - Import data for the product under consideration shows that the product under consideration is commercially transacted by a number of different names, such as O Acid, Ofloxacin Acid (Ofloxacin Acid 98% Min), 9,10-Difluoro-2,3-Dihydro-3-Methyl-7-Oxo-7h-Pyrido[1,2,3-De]-1,4-Benzoxazine-6-Carboxylic Acid (Ofloxacin Q Acid), 9,10-Difluoro-2,3-Dihydro-3-Methyl-7-Oxo-7h-Pyrido (1,2,3-De)1,4-Benzoxazine-6-Carboxylic Acid(Ofloxacin Acid), Ofloxacin Q Acid, 9,10-Difluoro-2,3-Dihydro-3-Methyl-7-Oxo-7h-Pyrido(1,2,3-De)-1,4-Benzoxazine-6-Carboxylic Acid(Ofloxacin Q Acid), Ofloxacin Acid, Ofloxacinacid, Q-Acid Of Ofloxacin, etc. Since these are various possible commercial names of the product under consideration, the scope of the product under consideration includes all these names.
 - Ofloxacin Acid is used in production of Ofloxacin. This is the sole use of Ofloxacin Acid. Ofloxacin is sold under a wide variety of brand names as well as generic drug equivalents, for oral and intravenous administration. Ofloxacin is also available for topical use, as eye drops and ear drops. It is on the WHO Model List of Essential Medicines, the most important medications needed in a basic health system.

C.2. Views of the other interested parties

5. None of the interested parties have made submissions with regard to product under consideration.

C.3. Examination by the Authority

6. The product under consideration in the present petition is O-acid or Ofloxacin acid . It is an off-white to white crystalline powder and is used as an intermediate for the manufacture of Ofloxacin, which is a synthetic chemotherapeutic antibiotic of the fluoroquinolone drug class considered to be a second-generation fluoroquinolone. Ofloxacin is a racemic mixture, which consists of 50% levofloxacin (the biologically active component) and 50% of its “mirror image” or enantiomer dextroflaxacin.
7. O- Acid is used in production of Ofloxacin, which is used to treat certain infections including bronchitis, pneumonia, and infections of the skin, bladder, urinary tract, reproductive organs, and prostate.
8. Product under consideration is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. The PUC is imported under various other HS codes namely 29419030, 29152990, 29163990, 29183090, 29189900, 29349900, 29411090, 29419090, 29420090. Customs classification in any case is indicative and not binding on the scope of the product under consideration in the present investigation.
9. The Authority notes from the information available on record that the product under consideration produced by the domestic industry is like article to the goods imported from the subject country. Product under consideration produced by the domestic industry and imported from the subject country are comparable in terms of physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The goods produced by the domestic industry and imported from the subject country are like articles in terms of the Rules. The two are technically and commercially substitutable. Thus, the Authority

holds that goods produced by the applicant domestic industry are like article to the subject product under consideration imported from subject country in accordance with the AD Rules.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1. Views of the Domestic industry

10. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to scope and standing of the domestic industry:

- i. The applicant is the sole producer of the product under consideration and has set up new production facility hitherto not produced in India.
- ii. Applicant has been producing Ofloxacin for quite some time for which the applicant was importing Ofloxacin Acid from China.
- iii. Petitioner was importing the product under consideration in the past for the reason that there was no production of the product under consideration in India. Petitioner made significant investment for production of the product under consideration and commenced commercial production. However, the Chinese producers intensified dumping as soon the petitioner commenced commercial production.
- iv. The raw materials costs (at optimum consumption factors) involved in production of the product under consideration were higher than the price offered by the Chinese producer. It is thus a clear case where the Chinese producers have offered highly aggressive prices and even below a level that is supported by the costs involved on account of raw materials. The petitioner was therefore forced to import some volumes of the product under consideration after commencement of commercial production
- v. The applicant has not exported the product under consideration. The applicant is not related to any importer or exporter of the product under consideration from the subject country. In any case, there is no such relationship that would attract possibilities of exclusion under Rule 2(b).
- vi. Considering the circumstances in which the applicant has imported the product under consideration, the Authority should consider the applicant as eligible domestic industry within the meaning of the Rules.
- vii. There is no other known producer of product under consideration in India. Applicant is the new producer of the product under consideration in India with no past history of production in India. The petition satisfies the requirement of standing under the Rules. Further, the applicant constitutes domestic industry within the meaning of the Anti Dumping Rules.

D.2. Views of the other interested parties

11. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to standing and scope of domestic industry:

- i. Investigation has been initiated based on application by applicant which started manufacturing O-Acid in October 2015 and it is not clear whether the production is trial run or commercial production.
- ii. Applicant has admitted that its investment is for captive consumption and not domestic sales, and is hence not competing with imports of O-Acid.
- iii. Captive producers have been excluded from the scope of DI under Final Findings No. 14/09/2015-DGAD dated 20th Oct, 2016, Anti-dumping investigation concerning imports of “Low Ash Metallurgical Coke” originating in or exported from Australia and China PR.
- iv. The present investigation is bad in law since the petitioner freely admits that it is an importer of the subject goods from China PR. As per Rule 2(b) the producers that are also importers may be excluded from the purview of Domestic Industry. The petitioner has been importing goods the subject goods before and also after the commercial production of the subject goods by them. Since the petitioner has claimed confidentiality with respect to production figures during the POI as well as petitioner’s import from China PR it is not possible for the respondents to comment on the same. The petitioner appears to have shielded itself from any ill-effects of the alleged dumping, by benefiting from the purchase and sale of the alleged dumped goods. Thus there are sufficient grounds to dismiss the present petition.

D.3. Examination of the Authority

12. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

13. The application has been filed by M/s. Aarti Drugs Ltd., Mumbai as a domestic producer of the product under consideration. It is undisputed that there is no other known producer of product under consideration in India and the applicant is a new producer of the product under consideration in India. Applicant has made fresh investment for production of the product under consideration. The capacity created by the domestic industry for production of product under consideration has been compared with the captive requirement of the applicant for production of Ofloxacin. It is noted that the applicant has installed capacity of *** MT and its own requirement of the product is about *** MT. Further, the requirement for the product in the Country has been estimated as *** MT considering production of Ofloxacin as about *** MT. It is thus evident that the applicant has set up production capacities for Ofloxacin Acid far beyond its own requirement.
14. The applicant has submitted that they were importing O-Acid before they commenced production of O-Acid for consumption in production of ofloxacin. After commencement of their own production of O-Acid, applicant had stopped importing O-Acid. However, the exporters from China reduced the prices so significantly that the applicant was forced to again import O-Acid from China to continue the production of downstream product (Ofloxacin) so as to remain competitive in that product, particularly when Ofloxacin also is being exported at dumped prices from China for which a separate investigation is going on.
15. The Authority notes that the intent of the provisions laid down under Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules is not to debar any domestic producer from the ambit of domestic industry merely because they have imported the subject goods from the subject country. The Authority finds it appropriate to consider the rationale and circumstances of such imports and accordingly examine whether or not the domestic producer should be treated as domestic industry” in terms of AD Rules. It is important to assess the intent of such domestic producer and the situation under which such imports have been effected. From the information provided by the applicant, it is noted that (a) the landed price of imports of subject goods from China declined significantly, (b) while the actual cost of production is admittedly high due to low production from the new plant, even when the overhead expenses are optimized considering optimum production, it is seen that the landed price of goods offered by the Chinese producers were materially below such optimized cost of production of subject goods by the applicant, (c) the applicant is competing with other domestic producers of the downstream goods in the same market namely Ofloxacin, where its competitors are getting access to low & dumped prices of Ofloxacin Acid. The applicant’s operations for Ofloxacin are quite unviable in case it produces Ofloxacin from its own captive Ofloxacin Acid. The applicant has made a fresh investment for production of Ofloxacin Acid, which shows that the applicant in fact intends to focus on production and not import. Applicant has been forced to import the product as a matter of self defence at the time of dumping of both Ofloxacin Acid and Ofloxacin. The focus of the applicant domestic industry is in production rather than imports and the dumped imports are not allowing the domestic industry to get fully established in the market. Further, the imports made by the domestic industry have not been sold in the merchant market.
16. The interested parties have contended that the applicant has set up facilities only for captive consumption

and the Authority has held in the past that captive consumption is not required to be considered for determination of standing of a domestic producer under Rule 5. The Authority notes that (a) the capacities created by the company for Ofloxacin Acid are much higher than its own requirement, (b) such capacities are quite comparable to the demand for the product in the Indian market, (c) after commencing production, the applicant has repeatedly offered the product for sale through email communications and public advertisements in Chemical Weekly, (d) the present case is a case where the Authority is investigating whether dumping of the product is materially retarding establishment of domestic industry in the Country, (e) it would not be appropriate to consider the present situation and compare with a situation where there are a number of domestic producers who are in existence for a long period and who have been either producing for captive consumption or exclusively selling in the market or undertaking both the operations. In the facts and circumstances of the present case, therefore, the Authority holds that the fact of absence of actual merchant sales upto POI should not deprive the company from being treated as domestic industry under Rule 2(b).

17. After careful examination of the legal provisions and facts of the case, the Authority considers that the applicant is an eligible domestic producer in terms of Rule 2 (b). The production of the applicant accounts for entirety of Indian production of the like article. The Authority, therefore, determines that the applicant constitutes eligible domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Anti Dumping Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

E. MISCELLANEOUS ISSUES

Views of the opposing interested parties

18. The submissions of various interested parties are summarized as follows:

- i. The provisional duties cannot be imposed in cases of “Material Retardation” as per Section 9B (1)(b)(iii). It can be imposed only when dumping causes injury during POI and there is a further determination that duty is necessary to prevent injury during the investigation i.e. the requirement of preventing injury is in addition to and not in lieu of existing duty.
- ii. The application filed by the Applicant hides more than it reveals. The Applicant has claimed confidentiality or failed to share data in respect of most of the information which is crucial to the investigation.
- iii. The Authority cannot continue with the investigation without first evolving and disclosing the methodology to examine material retardation to domestic industry. Incorporation of the US standard would enable the Authority to conduct a complete and efficient investigation. *Based on established standards in previous cases before DGAD and other jurisdictions, the DI’s petition does not establish any case for consideration of the material retardation standard.*
- iv. Data in petition merely indicates normal start-up conditions. The injury alleged is caused due to operational inefficiencies and start up pangs, rather than any alleged dumping from China PR.
- v. The Petitioner is a young establishment and its production and supply lines are not clearly established. Disrupting established lines, in the instance of such an essential commodity, would lead to adverse impacts on the user industry, i.e., health care industry. Even increasing the price of the product from the sole supplying country may hinder supply entirely and cause undue burden on the user industry and ultimately, on patients who are consumers of the product.
- vi. The Petitioner itself is unable to supply the subject goods in the market is an undue burden which must not be placed upon the importers of the subject goods. In fact, even the Petitioner is an importer of the subject goods. Moreover, price factors and volume factors do not singularly dictate the levy of any anti-dumping measure.

Examination by the Authority

19. The miscellaneous submissions have been analysed as under:

- i. As regards the contention that provisional duties cannot be levied in material retardation case, it is noted that there is no bar under Custom tariff Act for imposition of provisional anti dumping duty. “Injury” in terms of Section 9B (1)(b)(iii) includes all three forms of injury, i.e., material injury, threat of material injury and material retardation to the establishment of the domestic industry. It is noted that imposition of provisional duty is necessary to prevent the injury being caused to the domestic industry.
- ii. As regards the contention on excessive confidentiality, the Authority notes that the information provided by the domestic industry on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, the domestic industry was directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- iii. As regards the contention that investigation cannot be continued without first evolving and disclosing the methodology to examine material retardation, the Authority notes that there have been several cases on material retardation in past. Further, the initiation notification clearly laid down that the investigation concerns examination of material injury and material retardation to the establishment of the domestic industry and thus monthly performance of the domestic industry will be taken into consideration.
- iv. As regards the contention that domestic industry’s production and supply line has not been established, the Authority notes that monthly analysis shows that the domestic industry could increase its production and capacity utilization in its plant, however, it is the dumped imports which has prevented the domestic industry from producing and selling the subject goods in the domestic market. The decline in production and captive sales has consequently resulted into financial losses.

F. Market Economy Treatment, Normal Value, Export Price and Determination of Dumping Margin

20. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*
 - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*
Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Provisions relating to Non- Market Economy country

21. Annexure-I to AD rules states as under:

7. In case of imports from non-market economy country, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other country, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated Authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph (3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an antidumping investigation by the designated Authority or by the competent Authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated Authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in subparagraph (3)

(3) The designated Authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate. Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph”.

G.1 Views of the Domestic industry

22. Following submissions have been made by domestic industry: :

- i. China is a non-market economy country. None of the exporters satisfy each and every condition to qualify for grant of market economy status. The Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value.
- ii. Normal Value cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available. The applicant has not been able to procure such information from a producer in a market economy third country as the product is produced in China and India only. In fact, imports have also not been reported in the country from any other country.
- iii. The normal value has been determined on the basis of cost of production in India; duly adjusted.

- iv. The applicant has relied upon transaction wise import data provided by IBIS for calculation of export price.
- v. The export prices being CIF value while the normal values being at ex-factory level, the export prices have been adjusted for, ocean freight, marine insurance, commission, inland freight expenses, port expenses, bank charges and VAT adjustment.
- vi. The dumping margin from subject country is not only above *de minimis* levels, but also substantial.

G.2. Views of the interested parties

23. Following submissions have been made by domestic industry:

- i. The application does not meet the evidentiary standard of Article 5.2 of the AD agreement and rule 5(2) of the AD rules since the petitioner has not provided any evidence of dumping. Export prices for 2014-15, 2015-16 and the POI are at the same level. This clearly shows that there is no “intensified dumping”.
- ii. Petition lacks information related to domestic prices in China PR. Even in the case of treatment of exporters based on China’s non-market economy status, it is still mandatory to examine the domestic prices in China PR.
- iii. The normal value has been constructed without any basis and no evidences have been disclosed in its construction of normal value. When constructing the normal value, the application should have contained relevant evidence about the constructed normal value. Instead, No details pertaining to the values or the basis of the same has been provided. The Petitioner has not mentioned any consumption norms, conversion costs or utilities costs, etc.
- iv. Illegal adjustments have been made by the petitioner with respect to the export price are unjustified and abnormally high. The non-confidential version of the application does not contain any reasonable basis or evidence about the deductions. adjustments and their basis cannot be confidential. Specifically, the Petitioner has not even claimed confidentiality for the same. The petition does not provide a sufficient basis for the calculations and deprives the Respondents of the opportunity of full and proper rebuttal.

G.3. EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 24. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption that China PR is a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known producers/ exporters for rebutting presumption of non-market economy in accordance with criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise the producers/exporters in China to provide the relevant information.
- 25. The Authority notes that the known Chinese producers/exporters and the Government of China have been adequately notified about the requirement of submission of information in the form and manner prescribed and adequate opportunity was also granted to them to make their submissions in this regard. A number of producers/exporters have responded to the present investigation. However, none of them claimed MET. Further, none of the interested parties have provided any other alternative basis, as defined in the Rules, on which normal value can be determined.
- 26. In view of the above position and in the absence of rebuttal of non-market economy claim by any Chinese exporting company, the Authority considers it appropriate to proceed with para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value.
- 27. The normal value in China is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country, or the constructed value in a market economy third country, or the export prices

from such a third country to any other country, including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of these alternatives, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include reasonable profit margin.

28. Applicant contended that the product under consideration is not produced in many countries. In fact, there is very limited production of the product under consideration globally. Entirety of imports of the product under consideration in India over the injury period was from China. There is no publicly available information with regard to cost or price of the product in market economy third countries. Thus, in the absence of any reliable price and cost details for the subject goods in any market economy third country, the Authority has constructed normal value in China on the basis of cost of production in India; duly adjusted. It is noted that the applicant is a new producer of the product in the Country and therefore its actual cost of production may be high due to low production. However, the Authority has not considered its actual cost of production. The Authority has determined cost of production of the applicant, had it been operating at a reasonable level of capacity utilization. Accordingly, the Authority has determined the Normal Value for the subject goods exported by all exporters in China by considering the optimum cost of production and after making additions for selling, general & administrative costs and providing profit at ***%.

Export price for all exporters in China

29. Following producers/exporters from subject country have filed exporter questionnaire response and have provided information giving details of export price.
- i. Jaingxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd (Producer & Exporter)
 - ii. Yanchemg Xinanzhou Pharmaceutical Co, Ltd (Producer)
 - iii. Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Co. (Producer)
 - iv. Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co. Ltd (Producer and Exporter)
 - v. Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co. Ltd (Producer)
 - vi. Zhejiang Hengdian Apelo Imp & Exp Co. Ltd (Exporter)
 - vii. Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd(Exporter)
 - viii. Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd(Exporter)
 - ix. Zhejiang Ueasy Business Service Co. Ltd(Exporter)
 - x. Dreamland Creation Inc. (Exporter)
 - xi. Zhejiang Medicines & Health Products Co., Ltd. (Exporter)
 - xii. China Sinopharm International Corporation(Exporter)
 - xiii. Shanghai Changyu Chemical Technology Co. Ltd(Exporter)
30. The responses have been appropriately examined as under for determination of dumping margin.

Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd. (Producer) along with traders M/s. Zhejiang Chemical Import & Export Co., Ltd., Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd.

31. From the response filed by M/s Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd. (Chibang), authority notes that Chibang is a producer as well as exporter of the subject goods. During the POI, Chibang exported the subject goods directly and also through two unrelated trading companies i.e. M/s Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. and M/s Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd. Both trading companies have filed responses separately. Adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, VAT adjustment and bank charges have been claimed by the producer and exporters and the same have been allowed provisionally by the authority. Accordingly, the provisional export price has been determined for Chibang direct exports and through exporters at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below.

Yancheng XinAnzhou Pharmaceutical Co., Ltd., (Producer) along with traders Zhejiang Chemical Import & Export Co., Ltd., Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd., Zhejiang Xingyang Import & Export Co., Ltd., Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd.

32. From the response filed by Yancheng XinAnzhou Pharmaceutical Co., Ltd. (“Yancheng XinAnzhou”), Authority notes that Yancheng XinAnzhou is the producer of subject goods in China PR. During the POI, XinAnzhou sold *** kgs of the subject goods to four unrelated trading companies for exports to India i.e. M/s Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd., M/s Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd., M/s Zhejiang Xingyang Import & Export Co., Ltd. and M/s Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd. All the trading companies have filed responses separately. Adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, VAT adjustment and bank charges have been claimed by the producer and exporters and the same have been allowed provisionally by the authority. Accordingly, the provisional export price has been determined for Yancheng XinAnzhou at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below.

Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd. (Producer) along with traders Dreamland Creation Inc., Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co., Ltd., Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd., China Sinopharm International Corporation

33. From the response filed by Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd. (“Inner Mongolia Yuanhong”) Authority notes that Inner Mongolia Yuanhong is the producer of subject goods in China PR. During the POI, Inner Mongolia Yuanhong exported *** kgs of the subject goods through four traders namely, Dreamland Creation Inc., Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co., Ltd. M/s. Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd. and China Sinopharm International Corporation. All trading companies have filed responses separately. Adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, VAT adjustment and bank charges have been claimed by the producer and exporters and the same have been allowed provisionally by the authority. Accordingly, the provisional export price has been determined for Inner Mongolia Yuanhong at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below.

Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Company (Producer) along with trader M/s. Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd.

34. From the response filed by Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Company (“Jiangxi Dadi”), Authority notes that Jiangxi Dadi is the producer of subject goods. During the POI, Jiangxi Dadi has exported *** kgs of the subject goods through unrelated trader M/s Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd who has filed response separately. Adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, VAT adjustment and bank charges have been claimed by the producer and exporters and the same have been allowed provisionally by the authority. Accordingly, the provisional export price has been determined for Jiangxi Dadi at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below.

Zhejiang Yuanhong Medical and Chemical Technology Co., Ltd. (Producer) along with traders M/s. Dreamland Creation Inc., Shanghai Changyu Chemical Technology Co., Ltd., Zhejiang Medicines & Health Products Import & Export Co., Ltd., Zhejiang Chemical Import & Export Co., Ltd., Zhejiang Xingyang Import & Export Co., Ltd., China Sinopharm International Corporation

35. From the response filed by M/s. Zhejiang Yuanhong Medical and Chemical Technology Co., Ltd (“Zhejiang Yuanhong”) Authority notes that Zhejiang Yuanhong is the producer of subject goods in China PR. During the POI, Zhejiang Yuanhong exported *** kgs of the subject goods produced by it and also exported *** kgs manufactured by Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd to India through trading companies namely, M/s. Dreamland Creation Inc., Shanghai Changyu Chemical Technology Co., Ltd., Zhejiang Medicines & Health Products Import & Export Co., Ltd., Zhejiang Chemical Import & Export Co., Ltd., Zhejiang Xingyang Import & Export Co., Ltd., China Sinopharm International Corporation. All trading companies have filed responses separately. Adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, VAT adjustment and bank charges have been claimed by the producer and exporters and the same have been allowed provisionally by the authority. Accordingly, the provisional export price has been determined for Zhejiang Yuanhong at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below.

Dumping Margin

36. Considering the normal value and export price as determined above, the dumping margin for all exporters of the subject goods from the subject country is determined as below:

DUMPING MARGIN TABLE

S.No	Producer	Exporter	Constructed Normal Value USD/Kg	Ex-Factory Export Price USD/Kg	Dumping Margin USD/Kg	Dumping Margin (%)	Dumping Margin % Range
1.	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd	***	***	***	***	15-25
2.	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd	i. Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. ii. Zhejiang Hengdian Apelo Imp.& Exp. Co., Ltd.	***	***	***	***	30-40
3.	M/s. Yancheng XinAnzhou Pharmaceutical Co., Ltd.	i. Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. ii. Zhejiang Hengdian Apelo Imp.& Exp. Co., Ltd. iii. Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd. iv. Zhejiang Xingyang Import & Export Co., Ltd.	***	***	***	***	25-35
4.	M/s. Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd	i. Dreamland Creation Inc. ii. Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd iii. Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co., Ltd iv. China Sinopharm International Corporation	***	***	***	***	45-55
5.	M/s. Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Company	Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd	***	***	***	***	10-20
6.	M/s. Zhejiang Yuanhong Medical	i. Zhejiang Medicines	***	***	***	***	20-30

	and Chemical Technology Co., Ltd	& Health Products Co., Ltd ii. China Sinopharm International Corporation iii. Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. iv. Zhejiang Xingyang Import & Export Co., Ltd. v. Dreamland Creation Inc. vi. Shanghai Changyu Chemical Technology Co., Ltd					
7.	Any other	Any other	***	***	***	***	45-55

G. Examination of Injury and Causal Link

H.1. Views of other interested parties

37. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to injury and causal link:

- i. It is clear from the petition that applicant has not sold any goods in the domestic market; they are themselves importing huge volumes. Since applicant has not sold product domestically, there is no question of selling it at low prices. No domestic sales means no domestic price thus conclusions with regard to consequent impact of the imports on domestic industry in terms of price undercutting, price suppression and depression, deterioration in respect of parameters such as profits, return on capital employed is baseless.
- ii. There is no mention of either a non-injurious price or a calculation thereof to support the allegation of price underselling and injury. The elements to establish price injury have not been established or clearly alleged by the Petitioner.
- iii. No material retardation to the establishment of the domestic industry or causal link is established in the present case. There is no injury, as alleged, to the DI and their economic parameters appear to be improving, regardless of imports from the subject country.
- iv. Imports did not increase in relative terms. Clearly, since the Petitioner's sales increased from 0 MT to 126 MT in 2015-16 and therefrom to 220 MT in the POI, it is evident that the relative figures of growth of domestic production/sales clearly outshine the relative figures of growth of imports. Thus the imports are not impeding the growth of the domestic industry
- v. The Petitioner has claimed to be an embryonic industry with no history of production. Thus, the Authority has drawn conclusions of deterioration where no comparative figures exist.
- vi. While determining the cost of production of the Applicant, extra-ordinary costs must be excluded. In the present investigation, the domestic producer is a nascent industry. Therefore, considering their actual cost of production in the NIP calculation will provide skewed result.
- vii. The alleged injury is due to high costs for raw materials in India.

H.2. Views of Domestic Industry

38. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to injury and causal link:

- i. Demand for the product under consideration has been positive so far, with increasing production of Ofloxacin.
- ii. The petitioner commenced full scale commercial production of the subject goods from Oct 2015 and the goods so produced were consumed captively. Till Oct 2015, entire demand was being met by the Chinese imports. With the production of the product under consideration by the petitioner, market share of the imports declined and that of the petitioner increased. However, with the price reduction by the Chinese producers, the market share of imports increased once again and that of the domestic industry declined.
- iii. In spite of having a capacity to fulfil the demand, the Applicant is not able to utilise its capacity fully because the price of imported goods is much lesser than the price of domestically produced subject goods. In fact, the price of imported goods was even lower than the price of raw materials cost of the domestic industry.
- iv. There was a steep decline in the import price, particularly after Oct., 2015. In fact, the decline is far more, if the import price is considered in US\$.
- v. If the import price is compared with the cost of production on account of raw materials and utilities alone, it would be seen that the import prices have been even below the costs on account of raw materials and utilities.
- vi. Applicant commenced commercial production in 2015-16. The applicant placed advertisements in leading trade journal (Chemical Weekly) informing that the applicant is offering the product under consideration in the market. The applicant however received no response from the consumers. When the material is available in the market at a price below the costs, it is quite natural that the consumers are not at all interested in buying the product from the Indian market.
- vii. The domestic industry, which commenced commercial production in Oct., 2015 had to thereafter suspended production in Jan 2016. Inventories in Dec., 2015 reached very high levels leading to suspension of production in Jan., 2016. Further, production even during Feb., 2016 remained low.
- viii. Chinese producers are also resorting to dumping of downstream product namely Ofloxacin in the Indian market. Therefore, dumping of both the products in the Country is preventing the domestic industry from using its own production to the extent of its own requirements.
- ix. Domestic industry achieved capacity utilisation of ***% in Dec., 2015 and thereafter ***% in March, 2016. The domestic industry is however unable to regularly keep this production level in view of dumping in the Country
- x. Given dumping of Ofloxacin in the market, evidently the applicant would not have got better prices for Ofloxacin from the market and would have been forced to absorb the entire loss. While the applicant is already suffering financial losses in Ofloxacin, the applicant would have suffered higher and significant financial losses, had the applicant based its entire operations on its own production of O-Acid..
- xi. Examination of projected profitability and actual profitability shows that the applicant suffered significant losses in the captive sales and would have suffered significant financial losses had the applicant sold the product at prices aligned to the current import prices.
- xii. The applicant has made fresh investment in the manufacturing of O-Acid. However, the performance of the product is very adverse. Despite commencement of commercial production, the domestic industry is not able to produce and sell the product to the extent of its abilities because of dumping of the product under consideration in the Country.
- xiii. The Petitioner was earlier importing entire volumes of O-Acid for consumption in the production of Ofloxacin. Petitioner has now started producing O-Acid. However, the Petitioner has to import O-Acid even after commencement of production of O-Acid due to dumping of O-Acid and Ofloxacin.

- xiv. If the Petitioner would have produced the entire volume O-Acid required for manufacturing Ofloxacin in house the profitability would have been far more severe had the petitioner not used imported subject goods partially.
- xv. The Authority can assess performance of the domestic industry to the extent of existence of domestic industry. The Petitioner has provided information for the relevant period. However, considering and appreciating that the relevant period is less than three years period, the Petitioner has undertaken monthly and then quarterly analysis to establish its case.
- xvi. Growth of the domestic industry in terms of all parameters has remained poor. Being a new company, the domestic industry had expected much better growth in both volume and price parameters. Dumping of the product in the Country is however adversely affecting the growth of the domestic industry in the market.
- xvii. While the test of material injury or a threat of material injury can be applied to an existing domestic industry. In the case of domestic industry yet to be fully established, the test to be applied is that of material injury to the extent of existence and material retardation to the establishment of industry to the extent of targeted performance.
- xviii. In the instant case, the petitioner has commenced commercial production in Oct., 2015. Therefore, the Authority may consider (a) actual performance so far to establish effect of dumping, (b) potential situation in order to establish threat of material injury and (c) whether dumping of the product under consideration is materially retarding the establishment of the domestic industry in India.

H.3. Examination by the Authority

39. The Authority has taken note of various submissions of the Domestic Industry and the opposing interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed the same considering the facts available on record and applicable laws. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties.

40. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.”

41. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

42. As already highlighted in the initiation notification, the domestic industry has alleged that dumping of PUC in India is materially retarding the establishment of the domestic industry. In this context, the Authority relies upon Rule 4(1)(c)(ii) and Rule 11(1) of AD Rules, which state as under:

Rule 4(1) (c) (ii)

“the injury or threat of injury to an industry established in India or material retardation to the establishment of an industry in India consequent upon the import of such article from the specified countries”.

Rule 11 (1):

“In the case of imports from specified countries, the designated authority shall record a further finding that import of such article into India causes or threatens material injury to any established industry in India or materially retards the establishment of any industry in India”.

43. Since the domestic industry is a new industry and commenced production only in October, 2015, and is yet to be fully established the Authority has also undertaken examination of (a) actual performance to the extent of its existence and (b) material retardation to the domestic industry. Further, in view of short period of existence of the domestic industry, the Authority has also conducted monthly and quarterly analysis of injury parameters.

Assessment of Demand

44. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the applicant and imports from all sources. While there are no merchant sales by the applicant in the POI, the applicant has captively consumed the product and the same has been considered for assessment of consumption of the product in the Country. The demand so assessed is given in the table below:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI (July 2015-June 2016)
Subject Country	MT	427	516	583	524
DI domestic Sales	MT	0	0	126	224
Other Indian Producers	MT	0	0	0	0
Demand/ consumption					
Including captive consumption	MT	427	516	709	748

45. The Authority notes that the demand for the product under consideration has increased over the injury period and a substantial jump in demand is noted during 2015-16.

I. Volume Effects of Dumped Imports

i. Import volumes and market share in imports

46. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction wise import data procured from DGCIS. The year wise and month wise import data from the subject country and other countries are given in the tables below

Yearly Imports

Particulars	UOM	2013-14	2014-15	2015-16	POI
China	MT	427	516	583	524
Other Countries	MT	0	0	0	0
Total	MT	427	516	583	524

47. Analysis of annual imports of the product under consideration from subject country shows that the imports have increased over the injury period but decreased during the POI on account of commencement

of production of the subject goods by the domestic industry. There are no imports by any other country apart from subject country.

48. The Authority has also analysed volume of imports and import price on monthly basis which shows that the import price have been on declining trend from July 2015 to June 2016. The decline has been very sharp from January 2016 onwards. It is further noted that the domestic industry commenced full scale commercial production and consumption of the product under consideration in Oct., 2015 which led to the decline in imports. However, Chinese producers reduced their prices drastically in order to regain the market and imports increased from February 2016 onwards.

Monthly Imports and Import Price

Month	Imports (MT)	Import Price (Rs/Kg)
Jul-15	96	2344
Aug-15	52	2300
Sep-15	85	2320
Oct-15	29	2404
Nov-15	22	2198
Dec-15	4	2237
Jan-16	16	2022
Feb-16	60	2057
Mar-16	39	2019
Apr-16	8	2045
May-16	66	2017
Jun-16	45	2077

i. Market share in Demand

49. The market share including and excluding captive consumption is analyzed as under:

	UOM	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Subject Country- China	MT	427	516	583	524
DI domestic Sales/captive	MT	0	0	126	224
Other Indian Producers	MT	0	0	0	0
Demand including captive	MT	427	516	709	748
Demand excluding captive	MT	310	244	583	524
Market share of imports					
Including captive consumption	%	100%	100%	82%	70%
Excluding captive consumption	%	100%	100%	100%	100%

50. It is clear from the table above that entirety of imports are from China. Domestic industry has submitted that despite several attempts made by them to offer subject goods in the market by placing advertisements in chemical weekly and approaching various customers, the domestic industry have not been able to make any sale in the domestic market. Therefore applicant could utilize its production only for captive use and hence had to curtail the production to that extent thereby the imports prevented the domestic industry from achieving its projected target of sales.

51. The market share of imports and domestic industry in total demand has been further analyzed on monthly basis as below:

Monthly analysis of Imports

Period	China Market Share %	DI Market Share %
POI	70	30
Jul-15	100	0
Aug-15	100	0
Sep-15	98	2
Oct-15	77	23
Nov-15	50	50
Dec-15	14	86
Jan-16	40	60
Feb-16	91	9
Mar-16	48	52
Apr-16	26	74
May-16	65	35
Jun-16	59	41

52. As regards demand and market share including captive consumption is concerned, share of imports fell from 100% before commencement of commercial production by the domestic industry to 70% in the POI. It is however noted from the monthly analysis of the market share that the domestic industry was able to sharply increase its market share after commencement of the production. However, with the reduction in the prices by the Chinese producers, the market share of Chinese suppliers increased once again and that of domestic industry fell. Market share of domestic industry reached 86% in Dec., 2015. The same however declined thereafter to 41% in June, 2016.

II. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

53. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports is required to be seen by considering price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. The Authority considers, for the purpose cost of production, Net Sales Realization (NSR), the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry and landed cost of imports from the subject country. However, in the instant case, where a new producer has commenced commercial production for a product which was not being produced before and where the Authority is investigating whether dumped imports are materially retarding establishment of the domestic industry in the market, the Authority notes that the effect of dumped imports on the domestic industry is required to be considered by considering the prices at which the product has been sold by the domestic industry or offered for sale, optimum cost of production, and NIP of the domestic industry and compare the same with the landed price of imports.

Price Undercutting

54. Price undercutting has been assessed by comparing the landed price of imports with the price at which the product has been sold by the domestic industry or offered for sale in India. It has been stated that the applicant has offered the product to the consumers at a price, which is below the cost of production, NIP and landed price of imports. Further, the applicant has transferred the subject goods for captive consumption in production of Ofloxacin. The landed price of imports is materially below the price at

which the subject goods have been transferred for production in Ofloxacin. Further, such transfer price is below the NIP of the domestic industry. Subsequent to the commencement of commercial production, the Chinese producers have further reduced the prices significantly. It is thus seen that the landed price of imports remained significantly below the level of cost, selling price offered by the domestic industry and NIP of the domestic industry. The imports are thus undercutting the prices of the domestic industry in the market and are having significant depressing effect on the prices in the domestic market. It is further noted that the import price is even lower than the raw material cost of the domestic industry.

III. Economic parameters of the domestic industry

i. Production, Capacity Utilization, Sale Volume & Inventories

55. Since the applicant is a new producer and commercial production started only in October 2015, the Authority has undertaken a monthly analysis of production, capacity utilisation and sales for the POI as shown in the table below and compared it with their projections/targeted performance:

	As per Actuals					As per projections		
Period	Capacity (MT)	Production (MT)	Capacity Utilization (%)	Sales (captive) (MT)	Closing Stock (MT)	Production	Capacity utilization	Sales (including captive)
Jul-15	***	***	***	***	***	***	***	***
Aug-15	***	***	***	***	***	***	***	***
Sep-15	***	***	***	***	***	***	***	***
Oct-15	***	***	***	***	***	***	***	***
Nov-15	***	***	***	***	***	***	***	***
Dec-15	***	***	***	***	***	***	***	***
Jan-16	***	***	***	***	***	***	***	***
Feb-16	***	***	***	***	***	***	***	***
Mar-16	***	***	***	***	***	***	***	***
Apr-16	***	***	***	***	***	***	***	***
May-16	***	***	***	***	***	***	***	***
Jun-16	***	***	***	***	***	***	***	***
Q1	***	***	***	***	***	***	***	***
Q2	***	***	***	***	***	***	***	***
Q3	***	***	***	***	***	***	***	***
Q4	***	***	***	***	***	***	***	***
POI	***	***	***	***	***	***	***	***

56. It is seen that

- The domestic industry has capacity sufficient to cater to the demand for the product in the Country.
- Production started in Aug., 2015 and was commercialised in Oct., 2015. Thereafter, production increased till Dec., 2015. However, inventories kept piling up with the captive consumption remaining much below production and consumers not buying from the domestic industry. Thus, even when the domestic industry used part of the production for captive use, the domestic industry could not sell the product in the domestic market.

- c. It is seen that applicant made repeated attempts to sell the product in the market by directly approaching the consumers through emails as also placing an advertisement publicly. However, domestic industry could not succeed in selling the product because of availability of dumped goods in the market. Without any merchant sale of subject goods, the level of inventories kept on increasing, as captive requirements were far below the production and capacities. The level of inventories was at significantly high level in December 2015. Resultantly the domestic industry had to undertake shut down in January 2016.
- d. Even when the domestic industry recommenced commercial production in February 2016, the production remained regulated and the inventory levels remained high. The domestic industry did not succeed in selling the product to the consumers in the Country, as the Chinese producers reduced the prices further.
- e. The domestic industry had projected ***% of capacity utilization and ***MT of production and sales in its first year of operation; however the domestic industry's production, sales and capacity utilization have remained significantly below the projected levels and, in fact, could not even reach half of what was envisaged by the applicant.

Profit/Loss, Return of Investment

57. Profits earned by the domestic industry were as follows:

Month	Cost of sales	Sales realization	Profit	Cash profit	PBIT	Capital employed	ROI
	Rs/Kg	Rs/Kg	Rs/Kg	Rs Lacs	Rs Lacs	Rs Lacs	%
Jul-15	***	***	***	***	***	***	-
Aug-15	***	***	***	***	***	***	-
Sep-15	***	***	***	***	***	***	***%
Oct-15	***	***	***	***	***	***	(***)%
Nov-15	***	***	***	***	***	***	(***)%
Dec-15	***	***	***	***	***	***	(***)%
Jan-16	***	***	***	***	***	***	(***)%
Feb-16	***	***	***	***	***	***	(***)%
Mar-16	***	***	***	***	***	***	(***)%
Apr-16	***	***	***	***	***	***	(***)%
May-16	***	***	***	***	***	***	(***)%
Jun-16	***	***	***	***	***	***	(***)%
Q1	***	***	***	***	***	***	***%
Q2	***	***	***	***	***	***	(***)%
Q3	***	***	***	***	***	***	(***)%
Q4	***	***	***	***	***	***	(***)%
POI	***	***	***	***	***	***	(***)%

58. It is noted that

- a. The domestic industry intended to do merchant sales, however, they have only captively consumed the product. In the absence of merchant sales, profits, cash profits and ROI have been determined considering the transfer price.
- b. The domestic industry is suffering significant financial losses in captive transfers of the product. Consequently, the cash flow and ROI is also significantly negative.
- c. The Chinese producers reduced the prices for the product, which further led to significant financial losses, negative ROI and negative cash flows from the captive consumptions.

59. It is further noted that the domestic industry had projected profits in its very first year of operation i.e. 2016. However, the domestic industry is not even able to realize its cost of production in view of presence of significantly dumped subject goods in the market, and have huge losses.

ii. **Productivity, employment and wages**

60. From the monthly information given below, the Authority notes that Productivity in terms of productivity per day as well as per employee shows a declining trend towards the end of the Period of Investigation. Further wages paid have marginally increased

Month	No of employees	Production in MT	Productivity/ employee	Productivity/ Day	Wages
Jul,15	***	***	***	***	***
Aug,15	***	***	***	***	***
Sep,15	***	***	***	***	***
Oct,15	***	***	***	***	***
Nov,15	***	***	***	***	***
Dec,15	***	***	***	***	***
Jan,16	***	***	***	***	***
Feb,16	***	***	***	***	***
Mar,16	***	***	***	***	***
Apr,16	***	***	***	***	***
May,16	***	***	***	***	***
Jun,16	***	***	***	***	***
Q1	***	***	***	***	***
Q2	***	***	***	***	***
Q3	***	***	***	***	***
Q4	***	***	***	***	***
POI	***	***	***	***	***

iii. **Magnitude of Dumping**

61. The dumping margin determined in respect of the producers/exporters from the subject country is significant for the Period of Investigation.

iv. **Growth**

62. The Authority notes that despite being a new producer in the Country with significant capacities and demand for the product in the Country, the domestic industry has negative growth in terms of all major economic parameters. The imports have prevented the domestic industry from establishing itself.

v. **Ability to raise capital investment**

63. Despite fresh investment in India in a product having sufficient demand in the Country, the performance of the domestic industry is adverse. The negative profitability, return on investment along with abysmal market share indicates that the ability of the domestic industry to raise capital investments for the sector is seriously affected due to the dumped imports from the subject country.

vi. **Factors Affecting Domestic Prices**

64. Imports are at a price materially below the cost of production and NIP of the domestic industry. Since the only competition to the domestic industry is import and the domestic industry is new producer in the Country, it is the import price that is solely responsible for the prices offered by the domestic industry.

vii. **Overall assessment of Injury**

65. The examination of the imports of the subject product and performance of domestic industry clearly shows that the imports of the product under consideration have increased despite commencement of production by the domestic industry. The imports are at a price materially below cost of production and NIP of the domestic industry, thus resulting in significantly undercutting. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is seen that the domestic industry could not sell its product in the domestic market despite repeated attempts in view of availability of significantly dumped imports in the market. Even when domestic industry started production and utilization of the new facilities created at modest level, production and capacity declined materially after reaching some levels. Decline in production and capacity utilisation was due to inability of the domestic industry to sell the product in the market. The consumers are unwilling to buy from the domestic industry due to availability of the dumped material from China. The domestic industry is suffering significant financial losses, cash losses and negative return on investments.

H. Other Known Factors & Causal Link

66. Having examined the existence of material injury and retardation to the establishment of nascent injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry.

(a) Volume and prices of imports from third countries

67. It is noted that the imports from subject countries constitute 100% of imports into India thus there is no question of imports from other countries causing injury to the domestic industry

(b) Contraction in demand:

68. The demand of the product under consideration has not declined. Thus, contraction in demand is not a possible reason for the injury suffered by the domestic industry. In fact, domestic industry is a new producer for a product hitherto not produced in the Country.

(c) Changes in the pattern of consumption: -

69. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone material change and therefore could not have been the cause for the material injury suffered by the domestic industry.

(d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers: -

70. The Authority notes that there is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry.

(e) Developments in technology: -

71. The Authority also notes that technology for production of the product has not undergone any change. Developments in technology are, therefore, not a factor of injury.

(f) Export performance:

72. The applicant has not exported the product under consideration. Hence, claimed injury to domestic industry cannot be attributed to exports.

(g) Performance of other products being produced and sold by the domestic industry:

73. Claimed injury to the domestic industry is on account of product under consideration.

I. Magnitude of Injury and injury margin

74. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

S.No	Producer	Exporter	NIP USD/Kg	Landed Price USD/Kg	Injury Margin USD/Kg	Injury Margin (%)	Injury Margin% Range
1.	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd	***	***	***	***	10-20
2.	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd	i. Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. ii. Zhejiang Hengdian Apeloa Imp.& Exp. Co., Ltd.	***	***	***	***	20-30
3.	M/s. Yancheng XinAnzhou Pharmaceutical Co., Ltd.	i. Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. ii. Zhejiang Hengdian Apeloa Imp.& Exp. Co., Ltd. iii. Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd. iv. Zhejiang Xingyang Import & Export Co., Ltd.	***	***	***	***	10-20
4.	M/s. Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd	i. Dreamland Creation Inc. ii. Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd iii. Zhejiang Yuanhong	***	***	***	***	20-30

		Medical & Chemical Technology Co., Ltd iv. China Sinopharm International Corporation					
5.	M/s. Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Company	Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd	***	***	***	***	0-10
6.	M/s. Zhejiang Yuanhong Medical and Chemical Technology Co., Ltd	i. Zhejiang Medicines & Health Products Co., Ltd ii. China Sinopharm International Corporation iii. Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. iv. Zhejiang Xingyang Import & Export Co., Ltd. v. Dreamland Creation Inc. vi. Shanghai Changyu Chemical Technology Co., Ltd	***	***	***	***	5-15
7.	All Others	All Others	***	***	***	***	25-35

J. Indian Industry's Interest & Other issues:

75. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country/territory in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

76. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

K. CONCLUSIONS

77. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in this finding and on the basis of the above analysis of the state of dumping and consequent injury, the Authority concludes that:

- i. The subject goods have been exported to India from the subject country at prices less than their normal values in the domestic market of the exporting country;
- ii. The dumping margins of the subject goods imported from the subject country are substantial and above de minimis;
- iii. The domestic industry has been materially retarded due to the dumped imports of subject goods from the subject country;
- iv. Provisional antidumping duties are required to be imposed in order to address injury being suffered by the domestic industry during investigation.

L. RECOMMENDATIONS

78. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject country, as well as material retardation to the establishment of the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is necessary to prevent injury being caused by the dumping of subject goods pending completion of the investigation. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

79. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

SN	Sub Heading or Tariff Item*	Description of Goods	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	29419030 29152990 29163990 29183090 29189900 29349900	O-acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd	4.94	Kg	US\$
2.	29411090 29419090 29420090	O-acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd	i. Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. ii. Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co.,	7.50	Kg	US\$

						Ltd			
3.		O-acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	M/s. Yancheng XinAnzhou Pharmaceutical Co., Ltd.	i. Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. ii. Zhejiang Hengdian Apelo Imp.& Exp. Co., Ltd. iii. Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd. iv. Zhejiang Xingyang Import & Export Co., Ltd.	5.04	Kg	US\$
4.		O-acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	M/s. Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co., Ltd	i. Dreamland Creation Inc. ii. Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd iii. Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co., Ltd iv. China Sinopharm International Corporation	8.55	Kg	US\$
5.		O-acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	M/s. Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Company	Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd	0.03	Kg	US\$
6.		O-acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	M/s. Zhejiang Yuanhong Medical and Chemical Technology Co., Ltd	i. Zhejiang Medicines & Health Products Co., Ltd ii. China Sinopharm International Corporation iii. Zhejiang Chemicals Import &	3.57	Kg	US\$

						Export Co., Ltd. iv. Zhejiang Xinyang Import & Export Co., Ltd. v. Dreamland Creation Inc. vi. Shanghai Changyu Chemical Technology Co., Ltd			
7.	29419030 29152990 29163990	O-acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in SI No-1 to 6 above		8.79	Kg	US\$
8.	29183090 29189900 29349900 29411090 29419090 29420090	O-acid or Ofloxacin Acid	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	8.79	Kg	US\$
9.		O-acid or Ofloxacin Acid	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	8.79	Kg	US\$

* Custom classification is only indicative and the determination of the duty shall be made as per the description of PUC

N. FURTHER PROCEDURE

The procedure as below would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- The Authority invites comments on these provisional findings from all the interested parties and the same, considered relevant by the Authority, would be considered in the final findings.
- Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make their views known, within forty days from the date of the publication of these preliminary findings.
- Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- The Authority may hold oral hearing to hear the interested parties orally before notifying the final findings.
- The Authority would disclose the essential facts as per the Anti-dumping Rules before announcing the final findings.

Dr.INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority